दैनिक
RNI.NO.MPHIN/2013/54854
एशियन रिपोर्टर
www.asianreporter.online

एशियन रिपोर्टर समूह
Since 1994
मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से प्रकाशित साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र, ई-पेपर, न्यूज़ पोर्टल, और यूट्यूब चैनल से जुड़कर निष्पक्ष, निर्भीक, राष्ट्रवादी पत्रकारिता करें ।
मध्य प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और नगरों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क -
व्हाट्सएप
8349212122

वर्षः 13, अंकः 171 | संपादक : कल्याण मल जैन | भोपाल, मंगलवार 14 अप्रैल, 2026 | प्रधान संपादक : सुश्री मैना जैन | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में पीएम मोदी बोले-

महिला नेतृत्व से सिस्टम बनता है संवेदनशील

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था, तब सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर इसे सर्वसम्मति से पारित किया था। उस समय एक सुर में यह भी मांग उठी थी कि इस कानून को हर हाल में 2029 तक लागू किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार भी सरकार की प्राथमिकता यही है कि सभी जरूरी फैसले संवाद, सहयोग और सहभागिता के जरिए लिए जाएं। उन्हें विश्वास है कि जिस तरह पहले इस अधिनियम ने संसद की गरिमा बढ़ाई थी, उसी तरह इस बार भी सामूहिक प्रयास से संसद नई ऊंचाइयों को छुएगी। पीएम मोदी ने देश में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि आज भारत में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री जैसे अहम पद महिलाओं के पास हैं और वे इन जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं। इससे देश का गौरव लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने पंचायत स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को भी एक बड़ा उदाहरण बताया और कहा कि आज देश में 14 लाख से अधिक महिलाएं लोकल गवर्नमेंट बॉडीज में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। करीब 21 राज्यों में पंचायतों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लाखों महिलाओं की यह सक्रियता दुनियाभर के बड़े नेताओं और राजनीतिक विशेषज्ञों को भी हैरान करती है। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि जब निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो सिस्टम अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनता है। जल जीवन मिशन की सफलता इसका एक उदाहरण है, जहां पंचायत स्तर पर महिलाओं की अहम भूमिका रही है।

उन्होंने 2014 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय करोड़ों महिलाएं ऐसी थीं, जिन्होंने कभी बैंक का दरवाजा तक नहीं देखा था। बैंकिंग से जुड़ाव न होने के कारण उन्हें उसका लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन जनधन योजना के जरिए महिलाओं के 32 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए, जिससे उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ी। प्रधानमंत्री ने बताया कि आज देश की बेटियां नए-नए बिजनेस में अपनी पहचान बना रही हैं। मुद्रा योजना के तहत दिए गए कुल लोन में से 60 प्रतिशत से अधिक लोन महिलाओं ने लिए हैं। वहीं, देश के स्टार्टअप रिवोल्यूशन में भी महिलाएं आगे हैं। वर्तमान में 42 प्रतिशत से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर है।

महिलाओं के करियर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मैटरनिटी लीव को बढ़ाकर 26 हफ्ते कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के कई समृद्ध देशों में भी इतनी लंबी छुट्टी की सुविधा नहीं है, और जब वे इसके बारे में बताते हैं तो लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से सरकार ने महिलाओं के जीवन के हर चरण को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई हैं। जन्म से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास लगातार जारी है।

पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार के हर मामले में टीएमसी का नाम दिखाता है : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में जितने भी बड़े भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, उनमें कहीं न कहीं टीएमसी नेताओं की भूमिका रही है। बीरभूम जिले के बोलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'कैश-फॉर-क्वेरी से लेकर कैश-फॉर-जॉब, मवेशी तस्करी से लेकर कोयला तस्करी, पीडीएस घोटाले से लेकर अवैध जमीन कब्जाने तक, आप किसी भी भ्रष्टाचार का नाम ले लीजिए,

हर जगह टीएमसी नेताओं के निशान मिलेंगे।' उन्होंने कहा कि इस 'कुशासन' से जनता परेशान हो चुकी है और अब विधानसभा चुनाव के जरिए बदलाव लाने के लिए तैयार है।

अमित शाह ने अपने भाषण में यह भी दोहराया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो राज्य में हर हाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। उन्होंने कहा, 'हम उस व्यवस्था को खत्म करेंगे, जिसमें कुछ लोग एक साथ चार-चार शादियां करते हैं।'

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को रात में बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है।

गृह मंत्री ने भरोसा दिलाया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो महिलाएं रात 1 बजे भी सुरक्षित तरीके से दोपहिया वाहन से निकल सकेंगी। उन्होंने कहा, 'आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाएं, कासबा लॉ कॉलेज और दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज में हुए अपराध दोबारा नहीं होंगे। हमारे शासन में महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित रहेंगी।' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि टीएमसी के असामाजिक तत्व 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान में बाधा डालने की कोशिश करते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अमित शाह ने कहा, 'उन्हें सलाह है कि मतदान के दिन घर में ही रहें, नहीं तो 5 मई के बाद उन्हें ढूंढ-ढूंढकर जेल भेजा जाएगा।'

'नरक तुम्हारा इंतजार कर रहा है डॉन', ईरान ने बताई पोप की आलोचना करने वाले ट्रंप की 'सच्चाई'

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोप लियो 11वें की आलोचना की। इसके बाद घाना में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर निशाना साधा। ईरानी दूतावास ने अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना करते हुए ट्रंप के चरित्र पर कई आरोप लगाए। ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पोप ने शांति के लिए प्रार्थना की। ट्रंप ने आज रात उन्हें कमजोर कहा और बोला कि मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो मेरी आलोचना करे!'

दूतावास ने ट्रंप के चरित्र को कठघरे में खड़ा करते हुए बताया कि आइए इस व्यक्ति (ट्रंप) के कारनामों से जानते हैं कि यह कौन है- वह सालों तक लगातार एपस्टीन के आइलैंड पर जाता रहा! जब उसकी पत्नी प्रेग्नेंट थी, तो उसने एक पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए पैसे दिए और इसके लिए उसे सजा हुई। 34 गंभीर अपराध! उसकी मिसाइल मिनाब में मासूम बच्चों से भरे एक स्कूल से टकराई, जिसमें 168 की मौत हुई!

कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र से पहले जारी किया तीन-लाइन का व्हिप

सांसदों को सदन में अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।

संसद के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को लोकसभा में अपने सांसदों के लिए तीन-लाइन का व्हिप जारी किया। इसमें सांसदों से 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस ने अपने नोटिस में कहा, '6, 17 और 18 अप्रैल को लोकसभा में चर्चा और मतदान के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए जाएंगे। लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे 16, 17 और 18 अप्रैल को सुबह 11 बजे से सदन के स्थगित होने तक अनिवार्य रूप से सदन में उपस्थित रहें और पार्टी के रुख का समर्थन करें।' इससे पहले, सत्तारूढ़ भाजपा और सहयोगी पार्टी जदयू अपने सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी कर

चुकी हैं।

बता दें कि 16 अप्रैल से संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। इस सत्र में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' में संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। कांग्रेस 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन पेश करने के समय को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठा रही है।

सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाति जनगणना को टालने और पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। उनके मुताबिक, जिस तरह और जिस समय संसद का विशेष सत्र बुलाया जा रहा है, उससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय असली मुद्दा महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन है। उन्होंने अपने एक लेख में लिखा, 'महिला आरक्षण की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में असली चिंता, जल्दबाजी में किए गए परिसीमन से उत्पन्न होने वाले जोखिम और असमानताएं हैं।' सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि परिसीमन की कोई भी प्रक्रिया, जिसमें लोकसभा की सदस्य संख्या में वृद्धि शामिल हो, उसे केवल गणितीय रूप से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी न्यायसंगत होना चाहिए।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर का यूएई दौरा सम्पन्न

व्यापक रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर रहा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात का दो दिन का आधिकारिक दौरा पूरा कर लिया है। दौरे के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर संयुक्त अरब अमीरात के दो दिवसीय दौरे को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि दो दिनों के दौरे पर यूएई नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर था। एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो के फॉर्मेट में पोस्ट किया। इस दौरे के दौरान, डॉ. जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल

नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पर्सनल मैसेज उन्हें दिया। बातचीत में ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने, ट्रेड बढ़ाने और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहा। मीटिंग के दौरान दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।

मुंबई के कल्याण में दर्दनाक सड़क हादसा : मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हुई, मुख्यमंत्री फडणवीस ने शोक जताया

मुंबई, एजेंसी।

मुंबई के कल्याण में हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में भर्ती दो लोगों ने दम तोड़ दिया। इस संबंध में अधिकारी ने सोमवार को जानकारी दी। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को मुंबई के कल्याण इलाके में एक डंपर की टक्कर एक कार से हो गई। यह हादसा कल्याण-मुरबाड सड़क पर रायता पुल के पास सोमवार सुबह 11 बजे हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कार कल्याण से आ रही थी, तभी उसकी सीधी टक्कर एक मिक्सर ट्रक से हो गई। इस हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख जताया है। उन्?होंने सोशल मीडिया प्?लेटफॉर्म एक्?स पर पोस्?ट में कहा, 'कल्याण के पास नेशनल हाईवे 61 पर दो वाहनों की टक्कर से हुए भीषण हादसे में 11 लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। मैं उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम इन

परिवारों के दुख में उनके साथ हैं। हम स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं।'

वहीं, पुलिस ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि घायलों को इलाज के लिए पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की खबर मिलते ही, टिटवाला पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव व राहत कार्य शुरू कर दिया।

शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि हादसे के समय कार में 12 यात्री सवार थे। कुल यात्रियों में से आठ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पीड़ितों की मदद करने की कोशिश की। बाद में, दो और लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस के मुताबिक, जब कल्याण के पास रायता पुल के पास टक्कर हुई, तब वाहन मुरबाड की ओर जा रहा था।

इससे पहले, समाचार एजेंसी आईएएनएस से ??बात करते हुए, ठाणे के पुलिस अधीक्षक डीएस स्वामी ने नौ लोगों की मौत की पुष्टि की थी। टिटवाला के डिप्टी एसपी अनिल लाड ने मीडिया से कहा, 'मृतकों की पहचान की प्रक्रिया अभी चल रही है, जबकि घायलों का इलाज पास के एक अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना में संबंधित सरकारी विभागों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।'

पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि तेज रफ्तार वाहन पर से नियंत्रण खो देना ही इस दुर्घटना का कारण हो सकता है।

बिहार

बिहार में 15 अप्रैल को नई सरकार, आज तीन बैठकें

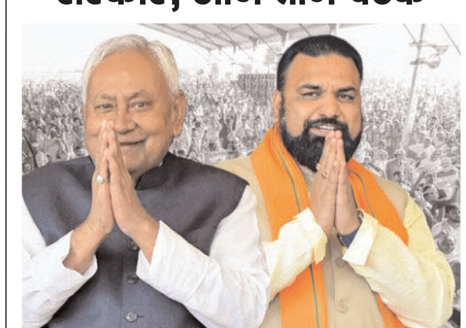

पटना , एजेंसी। दो दिन बाद यानी 15 अप्रैल को बिहार में नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। पार्टी दफ्तार से लेकर राजभवन तक इसकी तैयारी चल रही है। आज केवल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर बैठक हुई। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर हाईलेवल मीटिंग चली। इसमें जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, ललन सिंह, बिजेंद्र यादव, विजय चौधरी, श्रवण कुमार, जमा खान मौजूद थे। सभी लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बैठक की। इसमें 14 अप्रैल को होने वाली एनडीए की विधायक दल की बैठक और जदयू कोटे से बनने वाले मंत्री और निशांत कुमार को लेकर बातचीत हुई।

बैठक खत्म होने के बाद बाहर निकले मंत्री जमा खान ने साफ कहा कि 15 अप्रैल को ही नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। इसकी तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास से निकलने के बाद बाद ललन सिंह और संजय झा ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर जाकर बैठक की। यहां पर नेताओं के बीच नए मंत्रिमंडल पर बाचतीत की।

इधर, पटना जिला प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट, अणे मार्ग, राजभवन की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पटना में डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम को लोकभवन बुलाया गया था।

उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर डीएम को कई दिशा निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों की मानें तो केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी भी पटना आ सकते हैं। पीएम मंगलवार शाम को पटना आएंगे। वह लोक भवन में रुकेंगे। पीएम 15 अप्रैल को नई सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे। जनता दल यूनाईटेड के वरिष्ठ नेता संजय झा और विजय चौधरी की ओर से पिछले 24 घंटे में जो बयान जारी किया गया है, उससे साफ लग रहा है कि मुख्यमंत्री के नाम पर जदयू कोई खास लेना देना नहीं है। जदयू का स्पष्ट कहना है कि मुख्यमंत्री भाजपा को ही तय करनी है। इधर, भाजपा में मुख्यमंत्री पद लेकर चर्चा चल ही है। पर्यवेक्षक बने शिवराज सिंह चौहान के आने के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। मेल में दावा किया गया है कि तीन घंटे के भीतर विधानसभा परिसर में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें भी लिखी गई हैं। इसमें कहा गया कि सभी मुस्लिम कर्मचारियों को तुरंत परिसर से हटा लिया जाए। साथ ही ईमेल में यह भी लिखा था, 'किसी भी ब्राह्मण को डीएमके में शामिल नहीं होना चाहिए।'

मेल में एसवी शेखर का नाम लेते हुए दावा किया गया कि उसके डीएमके में शामिल होने के कारण विधानसभा को निशाना बनाया जाएगा और उन्हें 'भाजपा ब्राह्मण एजेंट' बताया गया।

इससे पहले 25 मार्च को भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में जानकारी दी थी कि स्पीकर कार्यालय को एक ईमेल मिला था।

सैलरी कम होने पर कर्मचारियों का प्रदर्शन, कहा- 12 घंटे करा रही कंपनी काम'

12 हजार में गुजारा नामुमकिन नहीं

नोएडा, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के नोएडा फेज-2 क्षेत्र में एक निजी कंपनी के कर्मचारियों का वेतन बढ़ोतरी को लेकर चल रहा विरोध प्रदर्शन सोमवार को अचानक हिंसक हो गया। बड़ी संख्या में जुटे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया, जो धीरे-धीरे उग्र रूप ले बैठा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों और कंपनी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और कथित रूप से पत्थरबाजी भी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें बेहद कम वेतन पर लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

एक प्रदर्शनकारी ने बताया,

'11,000-12,000 रुपए के वेतन में आज के समय में गुजारा करना बहुत मुश्किल है। जब हम बाजार में सामान खरीदने जाते हैं, तो क्या हमें सस्ती दरें मिलती हैं? हमारी मांग है कि न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 प्रति माह किया जाए, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से मिले और काम के घंटे तय हों।'

एक अन्य कर्मचारी ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा, 'हमें किराया, राशन और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना पड़ता है। इतनी कम आमदनी में यह सब संभालना नामुमकिन हो जाता है।'

वहीं एक और प्रदर्शनकारी ने कहा, '12,000 रुपए में कुछ भी नहीं चल सकता। यह परिवार चलाने के लिए बिल्कुल पर्याप्त नहीं है। हमारी मांगें पूरी होनी ही चाहिए।'

मजदूरों का आरोप है कि उन्हें प्रतिदिन केवल 500 से 700 रुपए तक की मजदूरी मिलती है, जबकि उनसे 10 से 12 घंटे तक काम कराया जाता है। इसके अलावा ओवरटाइम का उचित भुगतान नहीं किया जाता और छुट्टी व बोनस जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी जातीं। लगातार बढ़ती महंगाई और कार्यस्थल की इन समस्याओं के चलते मजदूरों में असंतोष बढ़ता गया, जो आखिरकार हिंसक प्रदर्शन में बदल गया।

घटना के बाद पुलिस-प्रशासन ने स्थिति को काबू में करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हालात पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

इस बीच, प्रदर्शन के कारण नोएडा और दिल्ली के बीच यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि चिल्ला बॉर्डर से नोएडा लिंक रोड पूरी तरह बाधित हो गई है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले योजना बना लें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। नोएडा जाने वाले यात्रियों को डीएनडी, सराय काले खां या एनएच-24 और कोंडली ब्रिज के रास्ते जाने की सलाह दी गई है।

एमपी में सड़कों का बिछेगा जाल, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार पर सरकार का बड़ा दांव... कैबिनेट मीटिंग में लिए फैसले

भोपाल। राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने और सड़क नेटवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में मंत्रि-परिषद ने एक बड़ा और दूरगामी फैसला लिया है। विकास की गति को निरंतर बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए कुल 10,801 करोड़ रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। यह निर्णय न केवल राज्य के परिवहन को सुगम बनाएगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी लाएगा।सोलहवें वित्त आयोग की अवधि तक जारी रहेंगी योजनाएं सरकार ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे का विकास किसी एक वित्तीय वर्ष तक सीमित नहीं रहेगा। मंत्रि-परिषद ने इन विकास कार्यों को सोलहवें वित्त आयोग की पूरी अवधि, यानी 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर जारी रखने की स्वीकृति दी है। यह कदम दीर्घकालिक नियोजन और परियोजनाओं के समयबद्ध निष्पादन में सहायक सिद्ध होगा।

परिवहन और आर्थिक विकास का आधार

लोक निर्माण विभाग की इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के दूरस्थ अंचलों को मुख्य शहरों से जोड़ना और व्यापारिक मार्गों की गुणवत्ता में सुधार करना है। उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों से न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि ईंधन की बचत और दुर्घटनाओं में कमी आने की भी संभावना है। मंत्रि-परिषद के इस निर्णय से निर्माण क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सरकार की इस मंशा से साफ है कि आगामी पांच वर्षों में राज्य का सड़क नेटवर्क एक नए स्वरूप में नजर आएगा। बाह्य वित्तीय संस्थाओं जैसे ह्ष्ठक्च का सहयोग यह दर्शाता है कि राज्य की सड़क परियोजनाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की जा रही हैं। सागर की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 286.26 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सागर जिले की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना की लागत राशि 286.26 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इस परियोजना से सागर जिले की सागर तहसील के 27 ग्रामों की 7200 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा का लाभ होगा। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाईजेशन के लिए 2250 करोड़ रूपये की स्वीकृति मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाईजेशन (SMAM) का कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने, ग्रामीण युवाओं के माध्यम से कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना करने, नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देने और प्रदेश के वन पट्टा धारियों के लिए हस्तचलित/बैलचलित कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराने के उद्देश्यों से योजना के आगामी 5 वर्षों के निरन्तर संचालन के लिए 2250 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

भोपाल गोलीकांड खुलासा- कॉलेज फीस के रुपयों से खरीदी पिस्टल

भोपाल। राजधानी के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सेज सनसिटी कॉलोनी में दो छात्रों पर अंधाधुंध फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपित सुधांशु सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। वारदात के बाद से फरार सुधांशु इंदौर होते हुए राजस्थान के कोटा में अपने पुराने दोस्तों के पास छिपा हुआ था। पुलिस ने इस मामले में पहले ही तीन अन्य आरोपितों अनिकेत शर्मा, ओम तिवारी और राजवीर को जेल भेज दिया है।

पूछताछ के दौरान 19 वर्षीय सुधांशु सिंह, जो मूलतः शहडोल का रहने वाला है और एलएनसीटी कॉलेज में बीटेक का छात्र है, ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सुधांशु के पिता शहडोल में ट्रांसपोर्टर हैं। उन्होंने 10 मार्च को सुधांशु को सेमेस्टर फीस जमा करने के लिए 50 हजार रुपये भेजे थे। आरोपित ने फीस जमा करने के बजाय 13 मार्च को बिहार के बेगूसराय जाकर 20 हजार रुपये में एक देसी पिस्टल खरीदी और बाकी पैसे मौज-मस्ती में उड़ा दिए। जब कॉलेज से फीस न भरने की शिकायत पिता तक पहुंची, तो शातिर सुधांशु ने पकड़े जाने के डर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लेकर कॉलेज की फर्जी फीस रसीदें तैयार कर लीं। बाद में पिता के भोपाल पहुंचने पर उसने पैसे दोस्त को उधार देने का बहाना बनाया। घटना 4-5 अप्रैल की दरमियानी रात की है। सुधांशु अपने दोस्तों अनिकेत और ओम के साथ सेज सनसिटी कॉलोनी के एक फ्लैट में शराब पार्टी कर रहा था। रात करीब 12:45 बजे शोर-शराबे से परेशान होकर उसी बिल्डिंग के छात्र सुधांशु साहू ने अपने साथियों के साथ विरोध दर्ज कराया।

भोपाल नगर निगम का नया ठिकाना- दफ्तरों के चक्करों से भोपालवासियों को मिलेगी मुक्ति

भोपाल। राजधानी भोपाल में नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ और जन-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। लिंक रोड नंबर-दो, तुलसी नगर में नवनिर्मित नगर निगम के अत्याधुनिक मुख्यालय भवन में विभागों की शिफ्टिंग की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर जारी है। वर्तमान में शहर के 10 अलग-अलग क्षेत्रों से संचालित होने वाली निगम की शाखाएं अब एक ही परिसर में समाहित हो जाएंगी।नगर निगम प्रशासन ने आठ मंजिला इस भव्य इमारत में अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने के लिए कक्षों का विधिवत आवंटन कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज और उपकरणों की शिफ्टिंग तत्काल सुनिश्चित करें।

जनता को बड़ी राहत

अभी तक भोपाल के नागरिकों को जल कर, भवन अनुज्ञा या अन्य प्रमाण पत्रों के लिए शहर के अलग-अलग कोनों में स्थित दफ्तरों में भटकना पड़ता था। अब जल कार्य, विद्युत और हाउसिंग फॉर ऑल जैसे विभागों के नए भवन में पहुंचने से आम जनता का समय और श्रम दोनों बचेगा। एकीकृत व्यवस्था से निगम के आंतरिक कामकाज में भी पारदर्शिता और गति आने की उम्मीद है।

विभागों का फ्लोर वाइस आवंटन

भू-तल- यहां आमजन की जरूरत के लिए आवेदन काउंटर बनाए जाएंगे। यहां पर विवाह पंजीयन रजिस्ट्रार, डिस्पेंसरी, आंचल कक्ष, स्मार्ट सिटी संपर्क, भवन अनुज्ञा संपर्क कक्ष के साथ ही राजस्व, जल कार्य, एचएफए आदि के करों के संपर्क के लिए कक्ष आवंटित किए गए हैं। साथ ही जनसंपर्क शाखा भी यहीं रहेगी।

पहली मंजिल- यह फ्लोर नगर निगम के जनप्रतिनिधियों के आवंटित है। यहां महापौर, नगर निगम परिषद अध्यक्ष, निगम के नेता प्रतिपक्ष, एमआइसी सदस्यों के साथ ही कांफ्रेंस हाल और परिषद कार्यालय रहेगा।

दूसरी मंजिल- यह मंजिल स्थापना, योजना, पशु चिकित्सा, जन्म-मृत्यु शाखा, राजस्व, सामान्य प्रशासन और पेंशन शाखा के लिए आवंटित की गई है।

तीसरी मंजिल- इस मंजिल पर आडिट, कंप्यूटर, लेखा और वित्त शाखा से जुड़े कर्मचारी बैठेंगे।

सीएम अनुरोध यात्रा से पहले सरकार में अलग-अलग सुर

शिक्षकों को मंत्री की सलाह, धरना नहीं सुप्रीम कोर्ट जाएं, कोर्ट के फैसले पर टिकी नजर

भोपाल। 18 अप्रैल को प्रस्तावित शिक्षकों की मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा से पहले प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों के अलग-अलग बयान सामने आने से मामला और गरमा गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने साफ शब्दों में कहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में लगी पुनर्विचार याचिका के फैसले का इंतजार कर रही है, इसके बाद फैसला लिया जाएगा। किसी भी तरह के धरना-प्रदर्शन से इस फैसले में बदलाव संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक दिन धरना दें या 100 दिन तक आंदोलन करें, इससे कुछ नहीं होने वाला। अगर उन्हें राहत चाहिए तो उन्हें सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। सरकार कोर्ट के आदेश के खिलाफ जाकर अवमानना (कंटेम्प्ट) में नहीं फंसना चाहती। सिंह ने यह भी कहा कि विधि विभाग से परामर्श लिया जा चुका है और सरकार अपनी सीमाओं के भीतर रहकर ही निर्णय ले सकती है। उन्होंने शिक्षक संगठनों से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा धरना-प्रदर्शन में खर्च करने के बजाय पुनर्विचार याचिका के माध्यम से न्यायालय में प्रयास करें। वहीं दूसरी ओर, शाजापुर में आयोजित शिक्षक सम्मेलन में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का बयान अपेक्षाकृत अलग नजर आया। उन्होंने कहा कि पात्रता परीक्षा को लेकर स्थिति क्लियर करने की जरूरत है। इसको लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रदेश के सभी शिक्षक प्रभावित नहीं हैं, बल्कि केवल 2005 के पहले नियुक्त लगभग 70 हजार शिक्षक ही इसके दायरे में आते हैं। इसमें जनजाति कार्य विभाग के शिक्षक भी शामिल हैं। परमार ने स्पष्ट किया कि पात्रता परीक्षा (टेट) को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। 2005 के बाद नियुक्त सभी शिक्षकों ने यह परीक्षा दी है, इसलिए उन पर यह नियम लागू नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह मामला पश्चिम बंगाल के केस के आधार पर बना है। पश्चिम बंगाल के लोग सुप्रीम कोर्ट गए हैं उस पर पुनर्विचार हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मामले में सीधे तौर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती और फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किया जा रहा है।

एमपी सरकार ने शुरू की होम स्टे योजना

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की होम स्टे योजना आम लोगों के लिए कमाई का नया जरिया बनकर उभर रही है। अगर आपके घर में खाली कमरे हैं, तो अब उन्हें किराये पर देकर अतिरिक्त आय हासिल की जा सकती है। पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह योजना स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का भी माध्यम बन रही है। इस योजना के तहत मकान मालिक अपने घर के खाली कमरों को पर्यटकों के लिए उपलब्ध करा सकते हैं। इससे आय बढ़ेगी। प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को स्थानीय माहौल में रहने का अनुभव भी मिलेगा। योजना में शामिल होने के लिए इच्छुक लोगों को ऑनलाइन पंजीयन कराना होगा। इसके लिए mptourism.mponline.gov.in पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। पंजीयन के बाद अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जाएगा।

पंजीयन के लिए जरूरी शर्तें

आवेदन के समय पहचान पत्र, मकान से जुड़े दस्तावेज और अन्य जरूरी जानकारी देना अनिवार्य होगा। पंजीयन के बाद नियमों का पालन करना भी आवश्यक रहेगा। योजना में शामिल होने के लिए साफ-सुथरे और सुरक्षित कमरे होना जरूरी है। वहीं बिना पंजीयन के होम स्टे संचालित करना नियमों के खिलाफ होगा।

अनुदान और सहायता

पंजीयन होने पर पहले वर्ष 50 अतिथि दिवस पर 15 हजार रुपये, दूसरे वर्ष 75 पर 20 हजार, तीसरे वर्ष 100 पर 25 हजार रुपये राज्य सरकार की ओर से अनुदार दिया जाता है। होम स्टे का ब्रोशर तैयार करने पर 10 ह जार और नेशनल व इंटरनेशनल ट्रैवल मार्ट पर भागीदारी पर 50 हजार रुपये की ग्रांट मिलीत है।

पुलिस ने घर से लेकर रायसेन के रास्तों पर की नाकाबंदी, वॉटर कैनन तक मुस्तैद

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में रायसेन में तीन दिवसीय कृषि मेले का आज समापन हो रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आज इस मेले के समापन में शामिल होंगे। इधर, एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी आज रायसेन के इस कृषि मेले में शामिल होकर किसानों की परेशानियां बताने का ऐलान किया था, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण वे रायसेन नहीं जा पाए है।

पुलिस ने आनंद नगर में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया। काफी देर पुलिसकर्मियों से बहस करने के बाद भी जीतू पटवारी को आगे नहीं जाने दिया तो वह अपने काफिले के साथ वापस लौटे। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी आज सुबह से ही रायसेन जाने की तैयारी में थे। पटवारी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वे टकराव नहीं बल्कि संवाद चाहते थे।उन्होंने कहा, मेरा मन कृषि मेले में जाने का है और मैंने पहले ही कहा था कि जब शिवराज जी अनुमति देंगे, तभी जाऊंगा। पटवारी के मुताबिक, उन्होंने पत्र लिखकर अनुमति मांगी थी और तय किया था कि अगर अनुमति नहीं मिली तो वे मेले के आखिरी दिन वहां पहुंचेंगे। पटवारी ने बताया कि सुबह उनके पास पुलिस अधिकारियों का फोन आया, जिसमें कहा गया कि सरकार नहीं चाहती कि वे मेले में आएं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें रोकने के लिए रास्तों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे केवल मेले में जाकर खेती की आधुनिकता को समझना चाहते थे, लेकिन सरकार विपक्ष की उपस्थिति से घबरा गई है।

पटवारी बोले मंडी में लूट रहा न्नदाता

कृषि मेले की चकाचौंध के बीच जीतू पटवारी ने प्रदेश के किसानों की बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि एक तरफ भारत सरकार इतना बड़ा मेला आयोजित कर रही है, जहां देशभर के मंत्री और मीडिया जमा हैं, वहीं दूसरी तरफ जमीन पर किसान खून के आंसू रो रहा है। पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश की मंडियों में किसानों को गेहूं का उचित दाम नहीं मिल रहा है और वे 2 हजार रुपए से भी कम कीमत पर अपनी उपज बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसान भारी नुकसान उठा रहा है, तो ऐसे आयोजनों का क्या औचित्य? कांग्रेस लगातार इन मुद्दों को उठाती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

ओंकारेश्वर में एकात्म पर्व का आयोजन, 700 युवा बनेंगे शंकरदूत

भोपाल। ओंकारेश्वर स्थित मांधाता पर्वत की पवित्र गोद में आगामी 17 से 21 अप्रैल तक आचार्य शंकर प्रकटोत्सव- एकात्म पर्व का भव्य आयोजन होने जा रहा है। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पंच दिवसीय उत्सव में ज्ञान, भक्ति और दर्शन की त्रिवेणी बहेगी।

संत समागम और विमर्श सभा

इस महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जैसे प्रख्यात संत शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र अद्वैतामृतम् - विमर्श सभा%होगी। इसमें अद्वैत वेदांत की समकालीन प्रासंगिकता पर विद्वान अपने विचार रखेंगे। विशेष रूप से 17 अप्रैल को अद्वैत एवं जेन जी और 19 अप्रैल को अद्वैत एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नवाचारी विषयों पर युवा विशेषज्ञों और संतों के बीच सीधा संवाद होगा। उत्सव के अंतिम दिन, 21 अप्रैल (वैशाख शुक्ल पंचमी) को नर्मदा तट पर एक ऐतिहासिक दीक्षा समारोह होगा। इसमें देश-विदेश के 700 से अधिक युवा शंकरदूत के रूप में संकल्प लेंगे।

आशा भोसले के निधन पर श्रद्धांजलि सभा, 2011 में दी थी यादगार लाइव प्रस्तुति

भोपाल। भारतीय संगीत जगत की महान पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन से देशभर में शोक की लहर है। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले ने अपनी सुरीली आवाज से दशकों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया। उनकी गायकी ने न सिर्फ फिल्म संगीत को समृद्ध किया, बल्कि हर पीढ़ी को सुरों से जोड़ने का काम किया।

हर दौर में कायम रही सुरों की बादशाहत

आशा भोसले की आवाज में अद्भुत बहुमुखी प्रतिभा झलकती थी। शास्त्रीय संगीत, ग़ज़ल, पॉप और फिल्मी गीत, हर शैली में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उनकी गायकी में वह जादू था, जो हर गीत को जीवंत बना देता था और श्रोताओं को भावनाओं से जोड़ देता था। मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान से उन्हें वर्ष 1989 में सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उनके संगीत के क्षेत्र में दिए गए असाधारण योगदान की मान्यता था।

भोपाल में गूंजे थे उनके सुर

वर्ष 2011 में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के दौरान भोपाल में उनकी लाइव प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। उस शाम उनके सुरों ने पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया था, जिसे आज भी लोग याद करते हैं। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी आवाज और संगीत हमेशा अमर रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

एमपी में अब झुलसाएगी भीषण गर्मी, लू का अलर्ट

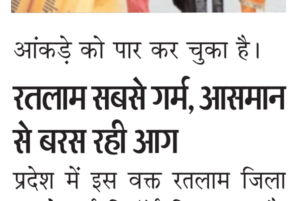

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम ने अपनी करवट बदल ली है और अब प्रदेशवासियों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्य में अब आंधी और बेमौसम बारिश का दौर थम गया है, जिससे सूरज की तीखी किरणों ने सीधे अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले 24 घंटों के भीतर प्रदेश के 5 प्रमुख शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर चुका है।

रतलाम सबसे गर्म, आसमान से बरस रही आग

प्रदेश में इस वक्त रतलाम जिला सबसे गर्म रिकॉर्ड किया गया है, जहाँ अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अब आसमान साफ रहने और बादलों की आवाजाही बंद होने के कारण दिन के तापमान में और भी तेजी से उछाल आएगा। तीखी धूप ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया है। IMD के पूर्वानुमान के अनुसार, 16 अप्रैल से मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में हीटवेव (लू) चलने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग का मानना है कि इस साल गर्मी अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ सकती है। अप्रैल के महीने में ही पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरी तरह समाप्त होने से अब केवल गर्म शुष्क हवाएं ही प्रदेश को अपनी चपेट में लेंगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले दिनों में किसी भी प्रकार की राहत की उम्मीद नहीं है। तीखी धूप और लू के चलते लोगों को दोपहर के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

स्टॉक मार्केट में गिरावट लेकिन स्पाइसजेट के शेयर ने भरी उड़ान, सुबह-सुबह अपर सर्किट में फंसा

नई दिल्ली। सोमवार को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई। अमेरिका-ईरान वार्ता फेल होने का असर बाजार में दिखाई दिया। सुबह-सुबह ही सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा गिर गया। वहीं इस दौरान कुछ ऐसे भी शेयर रहे, जिनमें तेजी आई। इन्हीं में स्पाइसजेट एयरलाइंस का शेयर स्पाइसजेट लिमिटेड भी शामिल है। यह शेयर सुबह ही अपर सर्किट में पहुंच गया। स्पाइसजेट का शेयर शुक्रवार को 12.27 रुपये पर बंद हुआ था। सोमवार

को यह 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 12.88 रुपये पर खुला। यह पहली बार नहीं है जब इस शेयर में अपर सर्किट लगा है। पिछले हफ्ते भी कई दिन यह शेयर अपर सर्किट में फंसा है। इस शेयर में तेजी क्यों आ रही है, इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। वहीं दूसरी ओर कंपनी को नुकसान हो रहा है और ईरान युद्ध के कारण कंपनी जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों से भी जूझ रही है।

स्पाइसजेट का शेयर पिछले हफ्ते से निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। पिछले 4 सत्रों में इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। मंगलवार 7 अप्रैल को यह 10.62 रुपये पर बंद हुआ था। अभी यह शेयर 12.88 रुपये पर है। ऐसे में 4 सत्रों में यह शेयर 21.28 फीसदी उछल गया है।

शेयर में तेजी

इस शेयर में तेजी क्यों आ रही है, इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे सट्टेबाजी से जुड़ा मूव माना जा रहा है। एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है कि कंपनी पर कर्ज बढ़ रहा है और स्थिति थोड़ी गंभीर है। ऐसे में इस शेयर में कभी भी बड़ी गिरावट आ सकती है। स्पाइसजेट कंपनी इस समय मुश्किल भरे दौर से गुजर रही है।

ईरान-अमेरिका वार्ता नाकाम होने से शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स लुढ़का

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता नाकाम होने से आज घरेलू बाजार में भारी गिरावट दिख रही है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,600 अंक से अधिक गिरावट आई है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी50 इंडेक्स में 400 अंक से अधिक लुढ़क गया। सुबह 9.18 बजे सेंसेक्स 1613.09 अंक यानी 2.08% की गिरावट के साथ 75,937.16 अंक पर ट्रेड कर रहा था। निफ्टी 469.65 अंक यानी 1.95% लुढ़कर 23,580.95 अंक पर आ

गया। मार्केट्स में उथलपुथल की थाह देने वाला India VIX भी 13% उछलकर 21 के ऊपर पहुंच गया। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में गिरावट आई है। इंडिगो, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी और बजाज फिनसर्व में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। सभी सेक्टोरल इंडेक्सेज भी लुढ़के हैं। निफ्टी पीएसयू और रियल्टी में तीन फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। निफ्टी ऑटो, बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस में दो फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए हैं।

ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 100 में 2.28 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 2.60 फीसदी गिरावट आई है। इस बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 0.6% गिरावट के साथ 93.28 पर खुला। पिछले सत्र में यह 92.7275 पर बंद हुआ था।

न्यूज़ ब्रीफ

माइक्रोवेव में पिघला बर्तन, पति-पत्नी को आया आइडिया, ऐसे खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई से हैं। पति-पत्नी की इस जोड़ी ने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। उनके स्टार्टअप का नाम %द इंडस वैली% है। इसकी नींव दोनों ने साल 2016 में डाली थी। इसका आइडिया उन्हें एक निजी हादसे के बाद आया था। तब माइक्रोवेव में एक प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया था। इसने उन्हें हेल्दी कुकवेयर के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। इसका मकसद भारतीय रसोई को रसायनों से मुक्त करने के साथ खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों को आधुनिक रूप में वापस लाना है। आज यह ब्रांड रसायनों से मुक्त कुकवेयर का विकल्प दे रहा है। कुछ ही सालों में इस बिजनेस का वैल्यूएशन करोड़ों में पहुंच गया है। आइए, यहां मधुमिता और जगदीश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

हादसे ने दिया आइडिया

मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई के रहने वाले हैं। साल 2016 में उन्होंने अपने स्टार्टअप द इंडस वैली की शुरुआत की थी। इसका विचार एक घरेलू दुर्घटना के बाद आया, जब माइक्रोवेव में प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया। मधुमिता ने महसूस किया कि हम रेसिपी और सामग्री पर तो ध्यान देते हैं। लेकिन, जिस बर्तन में खाना बन रहा है, उसकी सेहत को नजरअंदाज करते हैं। बाजार में भरोसेमंद और पारंपरिक विकल्पों (जैसे मिट्टी, लोहा, पीतल के बर्तनों) की कमी को देखकर मियां-बीवी ने इस कमी को पूरा करने का फैसला किया।

इंजीनियरिंग का बैकग्राउंड आया काम

जगदीश और मधुमिता आईटी इंजीनियर होने के साथ ही एमबीए हैं। अपना खुद का ब्रांड शुरू करने से पहले मधुमिता ने डेलॉयट जैसी प्रतिष्ठित फर्म में ऑपरेशंस और एचआर क्षेत्र में काम किया। वहीं, जगदीश सेल्स और मार्केटिंग में थे। संस्थापकों ने इसी बैकग्राउंड का इस्तेमाल करके अपने ब्रांड को एक भरोसेमंद नाम बनाया। उन्होंने 200 से अधिक केमिकल फ्री प्रोडक्ट पेश किए। ग्राहकों को इनके इस्तेमाल और रख-रखाव के प्रति जागरूक भी किया। ब्रांड का नाम सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित है, जो मेटल साइंस और कृषि में अपनी उन्नति के लिए जानी जाती थी। कपल का उद्देश्य पुराने जमाने की शुद्धता को आधुनिक रसोई की जरूरतों के अनुसार री-इंजीनियर करके पेश करना है।

2024-25 में रेवेन्यू 61% उछला

व्यावसायिक मोर्चे पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का रेवेन्यू 61% बढ़कर 117 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 72.5 करोड़ रुपये था। मुख्य रूप से कुकवेयर उत्पादों की बिक्री से 114.5 करोड़ रुपये की कमाई हुई। हालांकि, विज्ञापन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी हुई। लेकिन, कंपनी ने अपनी वित्तीय दक्षता में सुधार किया है।

आगे का टारगेट है बड़ा

कपल ने दिसंबर 2024 में 23 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई थी। इसके कंपनी का वैल्यूएशन अब बढ़कर 303 करोड़ रुपये हो गया है। आने वाले 5 सालों में जगदीश और मधुमिता का टारगेट कंपनी को चैनल-एग्नोस्टिक बनाना है। यानी ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन स्टोर्स के जरिए भी हर घर तक अपनी पहुंच बनाने पर है। नौकरी वाली मानसिकता से निकलकर उद्यमी मानसिकता में आना उनके लिए एक बड़ी चुनौती और सीखने वाला अनुभव था।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव, खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी

नई दिल्ली। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है। कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं। एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

चीन पर लगाम

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है। एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रेटजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा। यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंटर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है। भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें भारत कंटेनर शिपिंग लाइन, एक कोस्टल ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर और इनलैंड वॉरवेज में 100 करोड़ का निवेश शामिल है।

इस हफ्ते आईपीओ बाजार में रहेगी सुस्ती

नई दिल्ली। प्राइमरी शेयर बाजार में इस हफ्ते सुस्ती दिखाई दे रही है। इस हफ्ते सिर्फ दो नए आईपीओ खुलेंगे। इनमें एक आईपीओ मेन बोर्ड से और दूसरा एसएमई सेगमेंट से है। इसके अलावा इस हफ्ते 3 आईपीओ की शेयर मार्केट में लिस्टिंग भी होनी है। इनमें से दो की लिस्टिंग आज यानी सोमवार को होनी है। दोनों आईपीओ को ग्रे मार्केट में अभी कोई भाव नहीं मिला है। यानी इनका ग्रे मार्केट प्रीमियम शून्य है। यह मेन बोर्ड का आईपीओ है। इसका इश्यू साइज 1105 करोड़ रुपये है। यह पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है। कंपनी को भी शेयर ओएफएस के तहत जारी नहीं करेगी। यह आईपीओ 17 अप्रैल को खुलेगा और 21 अप्रैल को बंद हो जाएगा। इसका प्राइस बैंड 99 से 100 रुपये के बीच है। इसकी लिस्टिंग 29 अप्रैल को हो सकती है।

Citius Transnet Investment Trust एक इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट है। इसका फोकस भारत में ट्रांसपोर्ट सेक्टर में है। कंपनी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर ऐसेट जैसे सड़क आदि का अधिग्रहण करती है, उन्हें मैनेज करती है और ऐसे प्रोजेक्ट में निवेश करती है। आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कंपनी कुछ प्रतिभूतियों का अधिग्रहण करने और सामान्य उद्देश्य के लिए करेगी। यह एसएमई सेगमेंट का आईपीओ है। इसका इश्यू साइज 27.73 करोड़ रुपये है। यह भी पूरी तरह फ्रेश इश्यू है। कंपनी कोई भी शेयर ओएफएस के तहत जारी नहीं करेगी। इस आईपीओ में 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक बोली लगा सकेंगे। वहीं इसकी लिस्टिंग 24 अप्रैल को हो सकती है। इसका प्राइस बैंड 96 से 98 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 1200 शेयर हैं। यह कंपनी मई 2023 में शुरू हुई थी। यह एक मल्टी-ब्रांड मोबाइल रिटेल चेन है जो रिटेल मॉडल के माध्यम से स्पीकर, स्मार्टवॉच, ईयरफोन, स्मार्टफोन और एक्सेसरीज प्रदान करती है। कंपनी विभिन्न ब्रांडों के स्पीकर, स्मार्टवॉच, ईयरफोन, हेडफोन, टैबलेट, मोबाइल कवर, फोन चार्जर, स्क्रीन गार्ड, पावर बैंक, पेन ड्राइव आदि का खुदरा व्यापार करती है।

भारत में लंगर डाले खड़े हैं ईरानी तेल के टैंकर, लेकिन ट्रंप ने कर दी नाकेबंदी

नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका की शांति वार्ता विफल होने के बाद तेल को लेकर संकट फिर से गहरा गया है। वहीं भारत के तटों के पास ईरान से कच्चा तेल लेकर आए दो बड़े सुपरटैंकरों के लंगर डालने से ऊर्जा बाजार में हलचल तेज हो गई है। यह लगभग सात साल बाद पहली बार है जब ईरानी तेल की खेप भारत पहुंची है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक यह ठीक उसी समय जब अमेरिका ईरान के निर्यात पर सख्ती बढ़ा रहा है। वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी बढ़ा दी है। इस कदम का मकसद ईरान के तेल निर्यात को रोकना है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि वह वहां से ईरान के तेल के टैंकर नहीं निकलने देगा। ऐसे में भारत के तटों पर लंगर डाले ईरानी तेल के टैंकरों पर भी संशय के बादल छा गए हैं। बड़ा सवाल है कि क्या इन टैंकरों से तेल निकालकर भारतीय रिफाइनरियों में भेजा जाएगा या नहीं?

7 साल पहले बंद किया था आयात

अमेरिकी बैन के कारण भारत ने साल 2019 से ईरानी तेल का आयात बंद कर दिया था। हालांकि, पिछले महीने मिली एक विशेष छूट के तहत उन खेपों की खरीद की अनुमति दी गई थी जो पहले से ही समुद्र में थीं। यह कदम पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए उठाया गया था। अब ईरानी तेल पर फिर से संकट दिखाई दे रहा है। अगर यह तेल नहीं उतरा तो भारत के लिए ईरानी कच्चे तेल का इंतजार और लंबा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से आने वाले जहाजों की नाकेबंदी करने की योजना बनाई है। शांति वार्ता विफल होने के बाद ईरान के शिपमेंट को पूरी तरह रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। वहीं भारत ने कहा है कि वह ऊर्जा संकट से निपटने के लिए ईरान सहित अन्य देशों से कार्गो खरीदेगा।

क्या होगा असर?

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप की नई नाकेबंदी योजना का मौजूदा छूट या पहले से की गई खरीदारी पर क्या असर पड़ेगा। अगर ट्रंप की यह नई नाकेबंदी पहले से की गई खरीदारी पर भी लागू होती है तो हो सकता है कि ईरानी तेल के टैंकर वापस लौट जाएं।

शेयर बाजार में कोहराम के बीच टाटा ग्रुप के दो शेयरों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच आज टाटा ग्रुप के दो शेयरों में भारी तेजी आई है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर चल रही चर्चा के बीच टाटा केमिकल्स और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 12 फीसदी तक तेजी आई। टाटा ट्रस्ट्स बोर्ड के कुछ सदस्यों ने टाटा संस के आईपीओ का समर्थन किया है। टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की करीब 66 फीसदी हिस्सेदारी है। टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। टाटा केमिकल्स का शेयर आज 12 फीसदी से अधिक तेजी के साथ 774 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 8.5 फीसदी से अधिक तेजी के साथ 722 रुपये पर आ गया। इन दोनों कंपनियों की टाटा संस में हिस्सेदारी है। टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी और पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी विजय सिंह ने टाटा संस की आईपीओ के जरिए लिस्टिंग का

समर्थन किया है। इससे पहले टीवीएस ग्रुप के वेणु श्रीनिवासन ने भी इसका समर्थन किया था।

लिस्टिंग की वकालत

शापूरजी पलोंजी मिस्त्री ने भी टाटा संस की लिस्टिंग की वकालत की है। उनका कहना है कि पब्लिक लिस्टिंग से कंपनी का गवर्नेंस स्टैंडर्ड मजबूत होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी और टाटा के इकोसिस्टम में जवाबदेही बढ़ेगी। उन्होंने इन चिंताओं को खारिज किया कि आईपीओ से टाटा ट्रस्ट्स की भूमिका कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि पब्लिक लिस्टिंग से बेनिफिशियरीज के हितों को नुकसान होगा या ट्रस्ट की काम करने की क्षमता प्रभावित होगी।

यह टाटा ट्रस्ट्स द्वारा करीब एक साल पहले पारित किए गए प्रस्ताव के उलट है। इसमें टाटा संस को अनलिस्टेड प्राइवेट एंटिटी रखने की बात कही गई थी। नोएल टाटा की चेयरमैनशिप में टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को लिस्टिंग से बचने के लिए सभी विकल्प तलाश करें। हाल में वेणु श्रीनिवासन ने टाटा संस की लिस्टिंग का समर्थन किया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने ऑयल मार्केट को कर दिया कनफ्यूज

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत नाकाम होने के बाद यूएस नेवी होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी की तैयारी कर रही है। इससे ईरान अपना तेल एक्सपोर्ट नहीं कर पाएगा। इस कारण आज कच्चे तेल की कीमत में भारी उछाल आई है। ब्रेंट क्रूड शुरुआती कारोबार में करीब 8 फीसदी की तेजी के साथ 100 डॉलर के पार पहुंच गया जबकि अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड में 8.61 फीसदी तेजी आई है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि निकट भविष्य में तेल और गैस की कीमत घट सकती है या इसमें तेजी आ सकती है। ब्रेंट क्रूड अभी 6.72 फीसदी की तेजी के

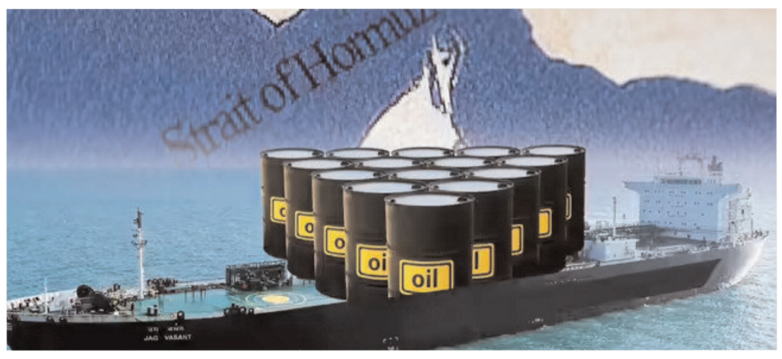

साथ 101.6 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 7.92 फीसदी उछलकर 104.2 डॉलर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में इसमें गिरावट आई थी। शुक्रवार को ब्रेंट 0.75 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ था जबकि डब्ल्यूटीआई में 1.33 फीसदी गिरावट आई थी। ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत नाकाम होने के बाद रविवार को कहा कि यूएस नेवी होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी शुरू करेगी। इससे दोनों देशों के बीच दो हफ्ते का सीजफायर भी खतरे में पड़ गया है। ट्रंप ने कहा कि मिडटर्म इलेक्शन से पहले तेल और गैस की कीमत कम हो सकती है या फिर थोड़ी बढ़ भी सकती है। अमेरिका में नवंबर में मिडटर्म इलेक्शन होने हैं।

जानकारों का कहना है कि ऑयल मार्केट सीजफायर से पहले वाली स्थिति में पहुंच चुका है। बस इतना अंतर है कि अब अमेरिका ईरान के तेल एक्सपोर्ट को बंद करने जा रहा है। ईरान रोजाना 2 मिलियन बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा था। इससे दुनिया में तेल की सप्लाई और टाइट हो जाएगी। होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आवाजाही बंद होने के कारण खाड़ी देश अपना तेल एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी की तैयारी में अमेरिका की नेवी
ईरान रोजाना 2 मिलियन बैरल क्रूड एक्सपोर्ट कर रहा है
नाकेबंदी से रुक जाएगा एक्सपोर्ट, कच्चे तेल में भारी तेजी
ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई में 8 फीसदी से अधिक उछाल

बांग्लादेश-भारत संबंधों में सुधार की उम्मीद

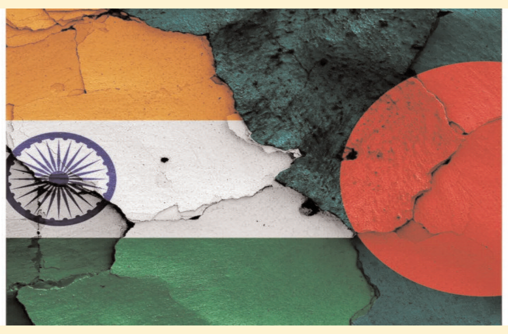

बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इस सप्ताह नए प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर के साथ भारत का दौरा किया। उम्मीद है कि इस दौरे से ढाका में बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाली नई सरकार और भारत सरकार के बीच संबंधों में सुधार होगा। विदेश मंत्री के रूप में रहमान का यह पहला विदेश दौरा नहीं है। पिछले महीने वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईएस) की बैठक के लिए सऊदी अरब गए थे, जहां उन्होंने पाकिस्तान सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। खबरों के अनुसार, भारत में हुई उनकी बैठक में बांग्लादेश ने अपनी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखी, जो इस समय भारत में निर्वासन में हैं।

फिर भी, भारत को इस महत्त्वपूर्ण रिश्ते को फिर से मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए। अतीत में उससे कई गलतियां हुई हैं। बांग्लादेश की घटनाओं और चुनावों के कारण मजबूर होने से पहले ही उसे बीएनपी के साथ संबंध सुधारना शुरू कर देना चाहिए था।

असम और पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनावों के प्रचार के दौरान व्याप्त तनावपूर्ण माहौल से इस प्रक्रिया में और भी बाधा आ रही है, जहां कथित 'घुसपैठ' एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। बांग्लादेश में भी विरोध प्रदर्शन और कट्टरपंथी गतिविधियां हुई हैं, जिनमें अखबारों समेत कथित 'भारत समर्थक' हितों और गतिविधियों को निशाना बनाया गया है। कूटनीति इस कठिन राजनीतिक माहौल को नजरअंदाज नहीं कर सकती, बल्कि इससे पार पाने के लिए उसे प्रयासरत रहना चाहिए।

सहयोग के लिए एक व्यावहारिक एजेंडा है जिस पर दोनों पक्षों को काम करना चाहिए। कनेक्टिविटी अवसंरचना, व्यापार सुगमता और ऊर्जा नीति ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें प्रभावी रूप से राजनीति से मुक्त किया जा सकता है और जिनसे ऐसे समाधान निकल सकते हैं जिनमें दोनों पक्ष अपनी जीत का दावा कर सकें। इस तरह के ठोस परिणाम सद्भावना पैदा कर सकते हैं और साथ ही किसी भी सरकार को कठिन राजनीतिक सवालों का तुरंत सामना करने से बचा सकते हैं।

यह निर्विवाद है कि बांग्लादेश में चीन की बढ़ती रणनीतिक उपस्थिति स्वाभाविक रूप से भारत के लिए चिंता का विषय है और इससे इस सहयोग में तत्परता आएगी, लेकिन भारत को निश्चित रूप से बांग्लादेश को चीन के साथ अपनी रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने के प्रलोभन से बचना चाहिए। न ही बांग्लादेश को पाकिस्तान के अधीन माना जाना चाहिए, भले ही वह उस देश के साथ संबंधों को सुधारने का प्रयास कर रहा हो।

इसके बजाय, उसे निरंतर, उच्च स्तरीय सहयोग बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो यह संकेत दे कि भारत बांग्लादेश को एक ऐसे पड़ोसी के रूप में गंभीरता से लेता है जिसके अपने वैध हित हैं और जो राजनीतिक बदलाव से गुजरा है। बीएनपी नेतृत्व को यह संकेत देने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे कि वह समावेशी शासन करना चाहता है और अपने राजनीतिक गठबंधन में अल्पसंख्यक-विरोधी और भारत-विरोधी तत्त्वों पर लगाम लगाएगा। उसे यह समझना होगा कि यदि उसे क्षमा करना और भूलना कठिन लग रहा है, तो भारत के साथ भी ऐसा ही है। पार्टी के पिछले कार्यकाल ने भारत में कड़वाहट का गहरा असर छोड़ा है। लेकिन यह दशकों पहले की बात है, और तब से बहुत कुछ बदल गया है। दोनों देशों ने आर्थिक विकास किया है और ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर वे समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। सहयोग करने के लिए वे बहुत कुछ कर सकते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय नेतृत्व बांग्लादेश की नई सरकार को यह स्पष्ट करे कि वह उसे सत्ता से हटाने या हेरफेर करने का प्रयास नहीं कर रहा है, बल्कि सह-अस्तित्व और सहयोग का एक नया स्वरूप खोजना चाहता है। पड़ोसी देशों के संबंध एक ही यात्रा से नहीं सुधर सकते, लेकिन यह कम से कम एक अच्छी शुरुआत होगी।

संपादकीय

गायन में प्रयोग की आशा... उम्र भी नहीं लगा पाई आवाज पर पहरा

वह संगीत की आशा थीं। आवाज की विविधता और साज पर पकड़ जिनका जुनून था। चुलबुले गायन की छाप की साया से खुद को दूर करने की लड़ाई थी तो अपनी ही बड़ी बहन लता की खींची लकीर को पार पाने की चुनौती। आशा भोसले ने जीवन के उतार-चढ़ाव के साथ ही गायन की विविधता में कमाल का मुकाम हासिल किया। ओ मेरे सोना रे सोना रे..., पिया तू अब तो आजा और दम मारो दम जैसे गीतों के बाद जिनकी गायकी में एक ठप्पा लग गया हो, उनका अपनेआप को बदलना।

समय की मांग के मुताबिक गीतों को गाकर इतिहास रचना, कोई जादुई कहानी जैसा ही है। ऐसे माहौल में दिल चीज़ क्या है, इन आंखों की मस्ती के और ये क्या जगह है दोस्तो गाकर वह तमाम संगीतकारों के लिए आशा की दरिया बन गयीं। फिर गीतों की लहरें ऐसी बहीं कि अधेड़ उम्र में आते-आते उन्होंने जवानी की दहलीज पर कदम रख रही युवती के फिल्मांकन के गीत गाकर सबको हतप्रभ तो किया ही, आलोचकों का मुंह भी बंद कर दिया। आशा ताई के नाम से प्रसिद्ध दिग्गज गायिका आशा भोसले को हो जा रंगीला रे और मधुबन में जो कन्हैया किसी गोपी से मिले... राधा कैसे न जले जैसे गीत गाकर जबरदस्त प्रशंसा मिली। इन सबके साथ ही कुछ वर्ष पूर्व 90 साल की उम्र में लाइव कंसर्ट कर सबको चौंकाने वाली आशा ने सचमुच साबित किया था कि उनके सुरों पर पारिवारिक और संगीत जगत की चुनौतियों से लेकर उम्र का भी पहरा नहीं लग सका। मीना कुमारी और मधुबाला से लेकर काजोल और उर्मिला मातोंडकर तक परदे की नायिकाएं बदलती रहीं, लेकिन आशा

एक ऐसी कड़ी बनी रहीं, जिसने अतीत को वर्तमान से जोड़े रखा। साड़ी पहने, माथे पर सलीके से सजी बिंदी और करीने से बंधे बाल- आशा भोसले की यही छवि उनके प्रशंसकों के दिलों में सदा जीवित रहेगी।

ऐसी बहुमुखी प्रतिभा की धनी आशा भोसले के निधन के साथ ही भारतीय संगीत की बहुरंगी आवाज खामोश हो गई। उन्होंने कई पीढ़ियों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया। एक दौर में दोनों बहनें- लता और आशा ऐसी आवाजें थीं, जिन्होंने संगीत की दुनिया पर राज किया। देखिए नियति का कैसा संयोग है कि दोनों बहनों ने 92 वर्ष की आयु में ही इस नश्वर संसार से विदाई ली। आशा भोसले को संगीत की दुनिया में केवल उनके लंबे सफर ने सबसे अलग नहीं बनाया, बल्कि हर दौर में खुद को समय के अनुसार नए सिरे से गढ़ लेने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भी उन्हें अलग पहचान दिलाई। लता दी की छोटी बहन आशा हर दौर में सदाबहार रहीं। हिंदी सिने जगत में ब्लैक एंड व्हाइट दौर से लेकर आज के वैश्विक मंचों तक, हर दौर में वह सदाबहार रहीं। समय के अनुसार उन्होंने अपनी आवाज को नयी लयबद्धता दी। आशा ताई ने करीब 12,000 गीत गाए। प्रमुख हिंदी गीतों के अलावा उन्होंने 20 अन्य भाषाओं में भी गीतों को आवाज दी। आशा और उनके भाई-बहनों, लता, उषा, मीना और हृदयनाथ के लिए संगीत केवल पेशा नहीं, शायद नियति भी था। जहां लता और उषा गायिका थीं, वहीं मीना और हृदयनाथ संगीतकार हैं। वर्ष 1933 में जन्मीं आशा को उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर ने अपने अन्य बच्चों की तरह शास्त्रीय संगीत की शिक्षा दी। उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद मात्र 10 वर्ष की उम्र में अपना पहला गीत रिकॉर्ड किया। यह 1943 में फिल्म माझा बाल के लिए गाया मराठी गीत चला चला नव बाला था। उन्होंने 1948 में चुनरिया के लिए सावन आया गीत के साथ हिंदी फिल्म गायन के क्षेत्र में कदम रखा।

लता के निजी जीवन की तरह उनका करिअर का दौर भी उतार-चढ़ाव वाला रहा। उन्हें बड़ी सफलता 1950 के दशक में तब मिली जब संगीतकार ओपी नैयर के साथ उनके जोशीले और चुलबुले गीतों को पहचान मिली। शास्त्रीय आधार आधारित उस दौर में आशा ने गीतों में अदा, शोखी और आधुनिकता का रंग भरा। वह क्लब गीतों, कैबरे गीतों और प्रेम गीतों की आवाज बन गईं। ये ऐसे क्षेत्र थे, जिन्हें अपनाने में अन्य गायक संकोच करते थे। उनके करियर का अगला मोड़ तब आया जब 1960 और 1970 के दशक में आरडी बर्मन के साथ उनकी साझेदारी ने हिंदी फिल्म संगीत को नयी दिशा दी।

पिया तू अब तो आजा और दम मारो दम जैसे गीतों ने उनकी बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा को सामने रखा। उनकी आवाज में मादकता भी थी, शरारत भी, विद्रोह भी था, प्रेम भी और दर्द भी लेकिन हर बार उसमें भावों की गहराई थी। आशा जी को कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, अनेक फिल्मफेयर पुरस्कार, भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वैश्विक संगीत इतिहास में संभवतः सबसे लंबे समय तक सक्रिय रहने वाली गायिकाओं में शामिल आशा का निजी जीवन भी उनके पेशेवर जीवन की तरह साहसी फैसलों से भरा रहा। हमेशा विद्रोही स्वभाव की मानी जाने वाली आशा ने 1949 में केवल 16 वर्ष की आयु में अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध गणपतराव भोसले से विवाह किया।

बातचीत नाकाम रही, लेकिन कूटनीति ज़िंदा है

इस्लामाबाद में US-ईरान बातचीत के नाकाम होने की कई वजहें हैं। अगर स राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की होर्मुज़ को लेकर महत्वाकांक्षाओं के बारे में रिपोर्टिंग थोड़ी भी सही है — और यह मानने की वजहें भी हैं — तो हो सकता है कि अमेरिकी ज़िद कि तेहरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य को संभालने के लिए वॉशिंगटन के साथ एक "संयुक्त उद्यम" (joint venture) पर राज़ी हो जाए, इसकी एक वजह रही हो। तेहरान का अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने से इनकार करना दूसरी वजह हो सकती है।

हो सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप एक ऐसे जलमार्ग पर रियल एस्टेट डील करना चाहते हों, जिस पर नियंत्रण रखने का उन्हें कोई हक नहीं है, और जो सभी देशों के लिए आज़ाद होना चाहिए। ट्रंप के झुकाव को देखते हुए, होर्मुज़ शायद ईरान के परमाणु कार्यक्रम से भी बड़ी रुकावट रहा हो। साफ़ तौर पर कहें तो, वॉशिंगटन कथित तौर पर ईरान से सिर्फ़ होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की मांग नहीं कर रहा था — जिसकी पूरी दुनिया मांग कर रही है — बल्कि उस पर संयुक्त नियंत्रण की मांग कर रहा था। इसे वेनेज़ुएला वाली रणनीति का फ़ारसी खाड़ी के लिए बनाया गया खास रूप समझ सकते हैं। काराकास में, S सेना ने एक ऐसे नेता को अगवा कर

लिया जो उनके लिए परेशानी का सबब था, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के बचे-खुचे हिस्से के साथ एक डील की, और अपनी शर्तों पर वेनेज़ुएला का तेल हासिल कर लिया। ईरान के मामले में, फ़रवरी में हुए हमलों में ख़ामेनेई मारे गए, और उनके साथ ही तेहरान के कई बड़े नेता भी मारे गए। ईरान की जो सरकार अब बची है, वह इस समय वॉशिंगटन के साथ बातचीत कर रही है। वॉशिंगटन असल में उस रास्ते पर आंशिक अमेरिकी नियंत्रण चाहता है, जिससे दुनिया का 20त्न तेल गुज़रता है; इसका सीधा सा मतलब यह होगा कि भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और यहाँ तक कि यूरोप में उसके अपने सहयोगी देशों की ऊर्जा-जीवनरेखा पर एक हमेशा के लिए टोल-बूथ बन जाएगा। इस तरह की डील ईरान के लिए जितनी नामंज़ूर है, उतनी ही भारत और ज़्यादातर दूसरे देशों के लिए भी होनी चाहिए। अगर ऐसा है, तो इस्लामाबाद में कोई डील न होना, किसी बुरी डील से कहीं बेहतर है। लेकिन इस्लामाबाद बातचीत को पूरी तरह नाकाम घोषित करने से पहले, यह याद रखना ज़रूरी है कि यह बातचीत इतनी अहम क्यों थी। इस्लामाबाद बातचीत का क्या मतलब था, इसे समझने के लिए, दो दिन पहले तक US-ईरान संबंधों की स्थिति को याद करें। इस पर गौर करें 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से US और ईरान के बीच कभी भी सीधे, उच्च-स्तरीय और बड़ी-बड़ी बातचीत नहीं हुई थी। 1979 की घटनाओं से शुरू हुई इस बड़ी दुश्मनी ने पश्चिम एशिया की भू-राजनीति को कई अहम तरीकों से प्रभावित किया है। लगभग आधी सदी की यही खामोशी इस्लामाबाद के सेरेना होटल के एक कॉन्फ्रेंस रूम में तब टूटी, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस और ईरानी नेता मोहम्मद बाघर ग़ालिबफ़ ने अपने-अपने देशों की ओर से बातचीत की। भले ही ये बातचीत नाकाम रही, लेकिन यह बात अपने आप में अहम है कि उन्होंने आपस में बात की।

यह कहानी अभी भी आगे बढ़ रही है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, तकनीकी टीमें अभी भी बातचीत कर रही हैं, भले ही राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल वहाँ से चले गए हों। इससे भी बढ़कर, बातचीत का असफल होना इस बात का संकेत नहीं है कि लड़ाई तुरंत फिर से शुरू हो जाएगी: दो हफ़्ते का युद्धविराम अभी भी लागू है। संक्षेप में कहें तो, इस्लामाबाद में हुई बातचीत के टूटने की तीन मुख्य वजहें थीं। पहली वजह थी परमाणु हथियारों का मुद्दा। वैंस ने बातचीत की विफलता का कारण ईरान की ओर से परमाणु हथियार न बनाने की "दीर्घकालिक प्रतिबद्धता" (long-term commitment) न जताना बताया है। यह याद रखना ज़रूरी है कि ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता द्वारा परमाणु हथियारों के खिलाफ जारी किया गया फतवा (धार्मिक आदेश) भी उनके साथ ही समाप्त हो गया है। इसलिए, इस बात की कोई ठोस गारंटी नहीं है कि तेहरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।

दूसरी वजह थी खुद होर्मुज़ जलडमरूमध्य। इस जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण—जिसे उसने युद्ध शुरू होने के बाद ही एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू किया था—अब उसकी सबसे कीमती रणनीतिक संपत्ति बन गया है। वॉशिंगटन को इसका संयुक्त नियंत्रण सौंपने का मतलब होगा, युद्ध को समाप्त करने के बदले में इस संपत्ति को हमेशा के लिए गँवा देना। किसी भी ईरानी सरकार को यह सौदा फायदेमंद लगने की संभावना नहीं है। तेहरान अच्छी तरह जानता है कि होर्मुज़ ही वह वजह है जिसने अमेरिका को बातचीत की मेज़ पर आने के लिए मजबूर किया। होर्मुज़ तेहरान का सबसे बड़ा तुरुप का पत्ता है। तीसरी वजह थी लेबनान; यह इस बड़े युद्ध के भीतर ही चल रहा एक और युद्ध है। युद्धविराम की पूरी अवधि के दौरान इज़रायल लगातार लेबनान पर बमबारी करता रहा है—जिसमें हिज़्बुल्लाह के ठिकाने, नागरिक बुनियादी ढाँचा और बेरूत के रिहायशी इलाके शामिल हैं—और इस बमबारी में कम से कम 2,000 लोगों की जान जा चुकी है।

प्रकृति से जुड़ने पर हमारा खुद से संबंध बेहतर होता है

"यह मेरा बेटा है, और मैं इसे आपकी देखरेख में छोड़ रही हूं, इसका ख्याल रखिएगा।' मेरी मां इसी तरह से मेरा, हमारे बचपन के घर के बाहर खड़े उस बड़े-से गूलर के पेड़ से परिचय कराती थीं। वे मुझे उसकी दो मजबूत शाखाओं से बंधे साड़ी के एक झूले में लिटाया करती थीं।

पेड़ बहुत घना और छायादार था। जब मैं झूले में सो रहा होता, तब मां पेड़ के नीचे बैठकर चावल, दाल आदि साफ करती थीं। जागने पर भी मैं रोता नहीं था, क्योंकि पेड़ मेरा मन बहलाए रखता था- अपनी हल्की हवा से मेरे चेहरे को सहलाकर, पक्षियों को अपनी शाखाओं पर बुलाकर और उनकी चहचहाहट से मुझे विस्मित करके।

और जब सूरज अपनी दिशा बदलकर मेरी आंखों पर किरणें डालने लगता, तो वह पेड़ मेरा संरक्षक बन जाता- तेज हवा चलाकर अपनी किसी शाखा को मेरे चेहरे और तेज धूप के बीच खड़ा कर देता। मुझे धुंधली-सी याद है कि पांच-छह साल की उम्र में मैं उसी पेड़ के नीचे खेला करता था। मैं उसके तने की छाल को खुरचने की कोशिश में अपने नाखूनों को चोट पहुंचा लेता था और उसके पत्तों को मोड़कर उनसे कुछ बना लिया करता था। फिर एक गर्मी में, हमने देखा कि स्थानीय नगर प्रशासन ने सड़क बनाने के लिए उस पेड़ को काट दिया है।

उसकी जगह सूनी पड़ी जमीन को देखकर मां और मैं शोक में डूब गए। उसके बाद मां वर्षों तक गांव नहीं गईं- और मैं भी नहीं। लेकिन उन तमाम वर्षों में वे उस पेड़ की बातें करती रही थीं और

उससे जुड़ी अपने बचपन और मेरे बचपन की कहानियां सुनाती रही थीं, क्योंकि वह पेड़ मेरे परनाना ने लगाया था। हम में से कई लोगों ने अपने जीवन में किसी न किसी पेड़ से प्यार किया होगा। बाद के वर्षों में, जब मैंने पेड़ों और मनुष्यों के जुड़ाव पर कई शोध पढ़े, तो मुझे लगा कि किसी विशेष पेड़ से अपनापन महसूस करना असामान्य नहीं है।

सामान्य दृष्टि से देखें तो पेड़ पालतू जानवरों की तरह हमें कोई प्रतिक्रिया देते नहीं दिखते। लेकिन जब हम उन चीजों की सूची बनाते हैं, जो वे हमें देते हैं- केवल लकड़ी, छाया और हवा ही नहीं- बल्कि वे वायु से प्रदूषकों को हटाते हैं, कार्बन सोखते हैं, वर्षाजल के बहाव को कम करते हैं- तो स्पष्ट होता है कि हमारा उनसे एक सहजीवी संबंध है।

हालांकि ये तमाम कारण पेड़ों की सराहना के लिए हैं, लेकिन पेड़ों से प्यार करना एक अलग वजह से होता है। फिनलैंड के एक अध्ययन में यूनिवर्सिटी ऑफ तुर्कू की शोधकर्ता काल्सा वाइनियो तीन कारण बताती हैं। पहला, यह स्मृतियों (नॉस्टेल्जिया) से जुड़ा होता है, जैसा कि ऊपर के अनुभव में देखा गया। दूसरा, आप उसे बढ़ता हुए देखते हैं, क्योंकि कई जगहों पर किसी के जन्म के समय पेड़ लगाने की परम्परा होती है। और तीसरा, पेड़ों का आकर्षण- वे बहुत बड़े, प्रभावशाली, विचित्र आकार के और अत्यंत प्राचीन होते हैं- किसी स्मारक या दुर्लभ प्रजाति के जैसे।

अमेरिका में एक फॉरेस्ट्री पाठ्यक्रम के लिए मेरी एक यात्रा के दौरान छात्रों को एक पेड़ का इंटरव्यू लेने का असाइनमेंट दिया गया था। विश्वविद्यालय आपको सिखाता है कि इसे कैसे करें। छात्र बाहर जाते हैं, एक पेड़ ढूंढते हैं और बोलकर अपना परिचय देते हैं।

यह स्वयं के लिए एक स्वीकारोक्ति भी होती है कि आप एक अन्य जीवित अस्तित्व के पास जा रहे हैं। यह आपकी कल्पना के दरवाजे खोलता है। आपको महसूस होने लगता है कि पेड़ भी आपसे बातें कर रहा है।

छात्रों से कहा जाता है कि वे पेड़ के विवरणों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। इंटरव्यू का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है- पेड़ के साथ दस मिनट का मौन। बैठ जाइए, आंखें बंद कर लीजिए, अपने मन को जितने विचार लाने हों लाने दीजिए, और मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि आप पाएंगे पेड़ एक स्वतंत्र प्राणी के रूप में आपसे संवाद कर रहा है। अब वह केवल एक सुंदर दृश्य मात्र ही नहीं रह गया है। यही वह क्षण है, जब आप एक भावनात्मक जुड़ाव विकसित करते हैं, जिसे पर्यावरणीय संरक्षकता कहा जा सकता है।

फंडा यह है कि यदि आप अपने आसपास की प्रकृति को जानने लगते हैं, तो आप उसका मूल्य समझते हैं, उसे पोषित करते हैं, उसकी रक्षा करते हैं और पेड़ों से जुड़ाव महसूस करते हैं। उसी क्षण, आपका अपने आप से संबंध भी एक दूसरे स्तर पर पहुंच जाता है। एक रविवार को इसे आजमाने में हर्ज ही क्या है?

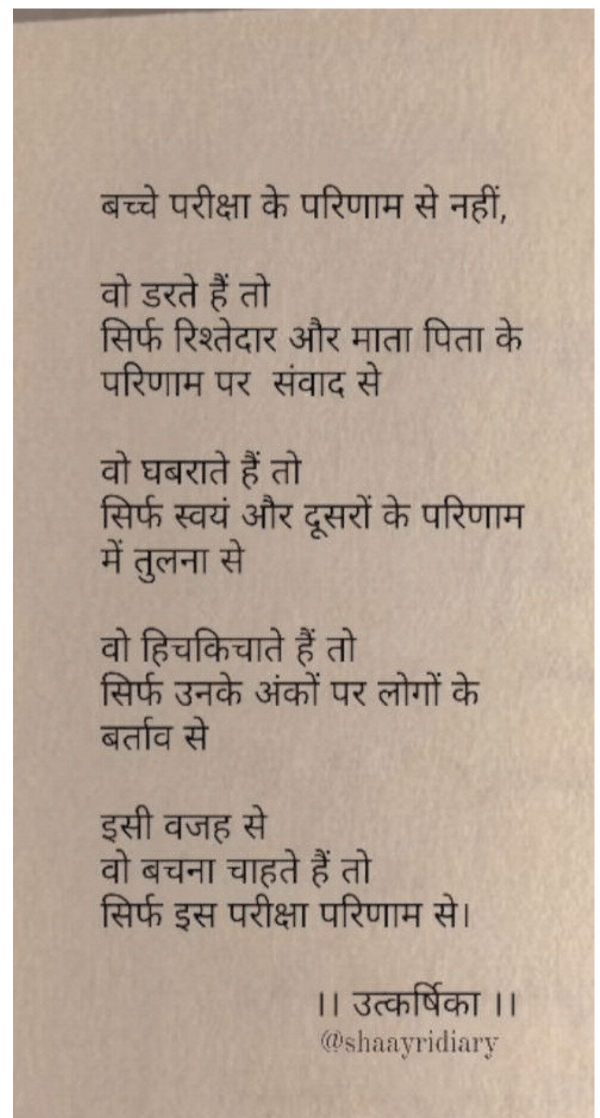

बच्चे परीक्षा के परिणाम से नहीं,

वो डरते हैं तो
सिर्फ रिश्तेदार और माता पिता के
परिणाम पर संवाद से

वो घबराते हैं तो
सिर्फ स्वयं और दूसरों के परिणाम
में तुलना से

वो हिचकिचाते हैं तो
सिर्फ उनके अंकों पर लोगों के
बर्ताव से

इसी वजह से
वो बचना चाहते हैं तो
सिर्फ इस परीक्षा परिणाम से।

।। उत्कर्षिका ।।
@shaayridiary

जिला भाजपा महामंत्री विकास केडिया के मुख्य आतिथ्य में पुसौर में सघन जनसंपर्क के साथ 'गांव चलो, बूथ चलो' अभियान संपन्न

घर-घर संपर्क कर योजनाओं की जानकारी दी, महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं से सीधा संवाद कर लिया फीडबैक

रायगढ़ -

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'गांव चलो, बूथ चलो' अभियान के अंतर्गत आज पुसौर मंडल के नगर पंचायत पुसौर में सघन जनसंपर्क अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला भाजपा महामंत्री श्री विकास केडिया उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के तहत वार्ड क्रमांक 04 एवं वार्ड क्रमांक 14 में घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क स्थापित किया गया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वार्डों में भ्रमण के दौरान कार्यकर्ताओं ने महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं से सीधा संवाद स्थापित करते हुए माननीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं से मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी ली। साथ ही घर-घर संपर्क कर नागरिकों से योजनाओं के वास्तविक क्रियान्वयन एवं उनके अनुभवों के बारे में फीडबैक प्राप्त किया, जिससे योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री विकास केडिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'गांव चलो, बूथ चलो' अभियान भारतीय जनता पार्टी का एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक अभियान है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाना एवं सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की वास्तविक ताकत हैं और जब कार्यकर्ता घर-घर जाकर संवाद करते हैं, तो जनता और संगठन के बीच विश्वास और भी मजबूत होता है।

ग्रामीणों की मन की बात जानने कुडुमकेला पहुंचे जिला भाजपा अध्यक्ष दीवान

रायगढ़

तेज झुलसाती गर्मी लोग घरों से बाहर नजर नहीं आते लेकिन जिला भाजपा अध्यक्ष अरुण धर दीवान संगठन की मजबूती के लिए इन दिनों गांव चलो अभियान के तहत विभिन्न मंडलों में ग्रामीण जनों से मुलाकात कर साय सरकार की योजनाओं से रुबरु करा रहे है। कुडूमकेला मंडल के ग्राम घरघोड़ी में मौजूद हितग्राहियों से संवाद किया। इस दौरान प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी योजनाओं को साझा किया। ग्रामीण विकास के लिए साय सरकार एवं गांव के विकास एवं जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जिला भाजपा दीवान का यह प्रयास मतदान के प्रति जागरूकता लाएगा वही पार्टी की पहुंच ग्रामीण क्षेत्रों में दूरस्थ अंचल तक होगी। चलो गांव की ओर अभियान से जरिए केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार होगा पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में गांव वालों को जागरूक करेंगे और वंचित पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ने का काम करेंगे। इस अभियान के माध्यम से, पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर गांवों में काम करने के लिए तैयार किया जाएगा। जनता से जुड़ाव के लिए भी गांव चलो अभियान मिल का पत्थर साबित होगा।

कलेक्टर ने किया संग्रहण केन्द्र जगतरा एवं धोबनपुरी और धान खरीदी केन्द्र धनोरा का आकस्मिक निरीक्षण

बालोद

कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम जगतरा एवं धोबनपुरी धान संग्रहण केन्द्र के अलावा धान खरीदी केन्द्र धनोरा का आकस्मिक निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान की उचित रखरखाव एवं धान का समुचित उठाव आदि के व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बारिश आदि विपरित मौसम के दौरान धान को सुरक्षित रखने हेतु कैप कव्हर आदि की समुचित व्यवस्था, पानी आदि की निकासी की उचित व्यवस्था एवं मिलर्स को नीलाम किए गए धान के समय पर उठाव आदि के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर श्रीमती मिश्रा ने धान के लोडिंग-अनलोडिंग के कार्य में लगे हमालों से बातचीत कर धान संग्रहण केन्द्रों में उनके लिए बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ उनके मांगों एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। श्रीमती मिश्रा ने मौके पर उपस्थित जिला विपणन अधिकारी एवं संग्रहण केन्द्र के प्रभारी को हमालों एवं मजदूरों को समय पर मजदूरी भुगतान के साथ-साथ संग्रहण केन्द्र में हमालों और मजदूरों के लिए जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष, जिला खाद्य अधिकारी तुलसी ठाकुर, जिला विपणन अधिकारी टिकेन्द्र राठौर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने धान संग्रहण केन्द्र जगतरा में धान के लोडिंग-अनलोडिंग के कार्य में लगे मजूदरों से बातचीत की और धान उठाव के महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करने को कहा। उन्होंने हमालों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर समय पर उनके मजदूरी भुगतान एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को हमालों तथा संग्रहण केन्द्र में काम करने वाले मजदूरों का तत्काल मजूदरी भुगतान करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने ग्राम जगतरा डीएमएफ प्रभावित क्षेत्र होने के कारण हमालों एवं मजदूरों के लिए जिला खनिज न्यास संस्थान निधि से मजदूरों के विश्राम हेतु शेड निर्माण एवं मुख्य मार्ग से मार्कफेड खाद गोदाम तक पहुँच मार्ग निर्माण के लिए भी प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कोतरा रोड दुग्ध डेयरी पर विकसित होगा आधुनिक ऑक्सीजोन,

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी के विशेष प्रयासों से 7.86 करोड़ रुपए की स्वीकृति, स्थल का किया निरीक्षण

खेल, स्वास्थ्य, सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं का समन्वित विकास, स्थानीय मांगों को भी मिलेगा प्राथमिकता

रायगढ़

रायगढ़ नगर निगम शहर के वार्ड क्रमांक एक स्थित राजीव नगर, जो दूध डेयरी क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, अब एक आधुनिक और आकर्षक ऑक्सीजोन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत यहां हरियाली, स्वास्थ्य और मनोरंजन से जुड़ी विविध सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ बेहतर जीवनशैली का अनुभव मिल सकेगा।

इस परियोजना के लिए प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी के विशेष प्रयासों से राज्य शासन द्वारा लगभग 7 करोड़ 86 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने आज सुबह जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तैयार की गई कार्ययोजना एवं डिजाइन का गहन अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परियोजना के अंतर्गत सबसे पहले पुरानी संरचनाओं का जो कार्ययोजना के उपयोगी होगा उन्हें और बेहतर बनाया जाएगा। साथ ही स्थल समतलीकरण किया जाएगा, जिसके बाद मजबूत सीमांकन दीवार एवं मुख्य द्वारों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही नालियों का निर्माण कर बेहतर आवागमन एवं जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

परियोजना में विशेष रूप से हरित विकास (हॉर्टिकल्चर), लैंडस्केपिंग और आकर्षक पाथवे तैयार किए जाएंगे, जिससे यह क्षेत्र एक सुंदर और शांत वातावरण प्रदान करेगा। नागरिकों के लिए ओपन जिम उपकरण, बैठने के लिए बेंच, गजेबो (विश्राम स्थल) और खेल मैदान में बैठने के लिए मंच का निर्माण किया जाएगा, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग इसका लाभ उठा सकें। इसके अलावा क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था, आंतरिक एवं बाह्य जल आपूर्ति, ट्यूबवेल तथा शौचालय एवं गार्ड रूम जैसी मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। स्वच्छता के दृष्टिकोण से सेप्टिक टैंक का निर्माण भी प्रस्तावित है। संपूर्ण परियोजना के सुचारू संचालन के लिए तीन वर्षों का रखरखाव प्रावधान भी शामिल किया गया है। इसी के साथ निकटवर्ती क्षेत्र में एस.एल.आर.एम. सेंटर का निर्माण, मिल्क फैक्ट्री एवं सामुदायिक भवन का मरम्मत एवं नवीनीकरण, फूड कोर्ट (10 दुकानों सहित), पार्किंग क्षेत्र का विकास तथा अतिरिक्त बाउंड्री वॉल एवं गेट निर्माण जैसे कार्य भी किए जाएंगे, जिससे यह पूरा क्षेत्र एक समग्र नागरिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित होगा। खेल जगत से जुड़े युवाओं का भी इसमें विशेष ख्याल रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के युवाओं एवं निवासियों ने क्रिकेट सहित अन्य खेल सुविधाओं की मांग रखी, जिस पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए इन मांगों को प्राथमिकता में शामिल करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर महापौर नगर निगम श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्री लाल साहू, श्री मुकेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे, नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह छत्रिय, हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन अभियंता श्री अभिषेक तिवारी तथा एसडीएम रायगढ़ श्री महेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग द्वारा स्कूल वाहनों की विशेष जांच कर की गई कार्रवाई

राजनांदगांव

परिवहन विभाग द्वारा बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल वाहनों की विशेष जांच एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजनांदगांव आनंद शर्मा के बताया कि जांच एवं प्रवर्तन के दौरान स्कूल बसों एवं अन्य वाहनों में फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, फायर सेफ्टी उपकरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं एवं दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच के दौरान वाहनों में खामियां पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। जांच के दौरान श्रीवेद पब्लिक स्कूल मोहारा की स्कूल बस सीजी 08 एजी 1365 एवं सीजी 08 एजी 1366 में वैध फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं कर (टैक्स) के दस्तावेज लंबित थे। संबंधित अनियमितताओं के कारण दोनों बसों को मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत जप्त कर पुलिस थाना मोहारा में सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित खड़ा किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार इससे पूर्व भी श्रीवेद पब्लिक स्कूल मोहारा की एक बस के विरूद्ध कार्रवाई की जा चुकी है, किंतु वाहन संचालकों द्वारा आवश्यक दस्तावेजों के नवीनीकरण के प्रति अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई। इसी तरह दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव के स्कूल बस सीजी 08 एम 0237, मैजिक सीजी 08 एएक्स 1835, मैजिक सीजी 08 वाय 1432 जांच के दौरान निर्धारित फिटनेस, बीमा एवं अन्य निर्धारित मानकों की शर्तों में कमी पायी गई। इन वाहनों के विरूद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जप्त कर कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारी राजनांदगांव में सुरक्षार्थ सुरक्षित खड़ा किया गया है। संबंधित वाहन संचालकों को शीघ्र आवश्यक दस्तावेजों का नवीनीकरण कर नियमानुसार वाहन का संचालन करने के निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों की सुरक्षा एवं वैधता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार की सघन जांच एवं कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

पॉलीटेक्निक कोरिया में 'उमंग 2026' का आयोजन

कोरिया। शासकीय पॉलीटेक्निक कोरिया में प्राचार्य गोनेश कुमार गजेन्द्र के निर्देशन में वार्षिकोत्सव श्उमंग 2026श् हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि आर0जे0 पाण्डेय सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, कॉमेडी और रैम्पवॉक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्अनेकता में एकताश् थीम पर आधारित रैम्पवॉक विशेष आकर्षण रहा। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा दीपक कुमार साहू ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हेमन्त कुमार एवं श्रुतिशिखा श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

प्रांशु पटेल ने रायगढ़ जिला को किया गौरवान्वित

यूपीएससी के माध्यम से एनडीए में चयन, एयर फोर्स में बनेगा फ्लाइंग अफसर

रायगढ़

रायगढ़ जिला के धरमजयगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम शाहपुर निवासी प्रांशु पटेल (पिता जोगेंद्र पटेल , माता पुष्पलता पटेल) का युपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में एयर फोर्स फ्लाइंग ऑफिसर (वैकल्पिक नेवी ऑफिसर) के रूप में चयनित हुआ है । प्रांशु के पिता जोगेन्द्र पटेल जो स्वयं सीआरपीएफ में सहा. कमांडेंट है अपने पुत्र की इस उपलब्धि के बारे में गर्व के साथ बताते है कि प्रांशु 10 वीं क्लास में 98त्न से उत्तीर्ण हुआ तभी लगा कि आईआईटी जेईई की तैयारी करेगा परंतु 11वीं क्लास के बाद उसने दृढ़ निश्चय किया कि उसे एयर फोर्स में फ्लाइंग ऑफिसर बनना है ; राफेल, सू-30 एमकेआई को आकाश में उड़ाना है। प्रांशु की इच्छा शक्ति और दृढ़ प्रतिज्ञा की भावना के समक्ष माता-पिता विवश हो गए । 12वीं कक्षा की पढ़ाई करते हुए वह एनडीए लिखित परीक्षा पर ही फोकस्ड रहा । लिखित परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के बाद 5 दिन का अत्यंत ही कठिन परीक्षा एसएसबी के लिए 4 एयर फोर्स सलेक्शन बोर्ड वाराणसी में रिपोर्ट किया ; जहां 5 दिन तक तरह-तरह के मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक परीक्षा की चुनौतियों का सामना करते हुए चयनित हुआ । मेडिकल टेस्ट के लिए दिल्ली गया जहां शरीर के एक-एक अंग का परीक्षण किया गया और प्रांशु का फिटनेस वह हेल्थ उच्चतम दर्जे का रहा , अंततः ह्ष्ठ का परिणाम आया उसमें ऑल इंडिया रैंक 224 लाकर प्रांशु ने हम सभी को गौरवान्वित किया । प्रांशु के पिता इस उपलब्धि को माता रानी की कृपा , प्रांशु की दृढ़ इच्छा शक्ति , कठोर परिश्रम का परिणाम बताया । प्रांशु के गौरवशाली उपलब्धि पर उसके गृहग्राम शाहपुर ग्रामवासियों में हर्ष है, अखिल भारतीय अघरिया समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल , केन्द्रीय सचिव भोजराम पटेल एवं समस्त केन्द्रीय पदाधिकारी धरमजयगढ़ क्षेत्र के सामाजिक पदाधिकारियों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए प्रांशु पटेल को बधाई देने के साथ उसके उज्जवल भविष्य की शुभकामना प्रदान की गई है ।

रायगढ़ के समग्र विकास को नई रफ्तार, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने 9 प्रमुख परियोजनाओं का किया विस्तृत निरीक्षण

गुणवत्ता और समय-सीमा पर सख्ती-सभी कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण करने के निर्देश

रायगढ़,

प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने शनिवार को जिले के प्रवास के दौरान शहर में संचालित करोड़ों रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कला, संगीत, संस्कृति एवं साहित्य की नगरी रायगढ़ को उसकी मूल पहचान के साथ एक आधुनिक और विकसित शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में चल रही 9 प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने दूध डेयरी क्षेत्र में विकसित हो रहे ऑक्सी-जोन, हाईटेक नालंदा लाइब्रेरी, रायगढ़ स्टेडियम परिसर में राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता की तैयारियों के तहत निर्मित हो रहे स्विमिंग पूल एवं खेल अधोसंरचना, पर्यटन विकास के लिए पहाड़ मंदिर के सौंदर्यीकरण, एसईसीएल द्वारा विकसित मरीन ड्राइव, कायाघाट पुल निर्माण, एसईसीएल स्टॉप डेम (सिंचाई), एफसीआई ऑक्सीजोन तथा फटहामुड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य शासन द्वारा स्वीकृत इन सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि रायगढ़ अपनी मूल पहचान को बनाए रखते हुए तेजी से विकसित शहर की दिशा में अग्रसर है और इन विविध परियोजनाओं के माध्यम से शहर में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि निकट भविष्य में रायगढ़ एक आदर्श विकसित शहर के रूप में स्थापित होगा।

वित्त मंत्री ने शहर की सुंदरता और जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्माणाधीन एनीकट कार्य का भी अवलोकन किया। इस दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री होमेश नायक ने एनीकट निर्माण की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि कुल निर्धारित लंबाई में से लगभग 50 मीटर कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य 15 जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इस पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने संभावित वर्षा को ध्यान में रखते हुए कार्य को 15 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शहर के भीतर प्रस्तावित जेलपारा एनीकट के जीर्णोद्धार एवं खर्राघाट बैराज निर्माण से संबंधित टेंडर प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कारणों की जानकारी ली और शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने एसईसीएल रायगढ़ क्षेत्र की सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत पुराने जिंदल पुल से कायाघाट पुल तक विकसित किए जा रहे केलो रिवर फ्रंट परियोजना का भी निरीक्षण किया। लगभग 28.26 करोड़ रुपये की लागत (5 वर्षों के रखरखाव सहित) से संचालित इस परियोजना का कार्य 29 जनवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है, जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है।

स्वाभिमान की नई पहचान - छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम दौर

रायपुर

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाते हुए महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएं अब जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम दे रही हैं, जिसका स्पष्ट प्रतिबिंब आंकड़ों में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी गौरव वर्ष महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का व्यापक अभियान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी संचालन के लिए 800 करोड़ रुपए, पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपए तथा कुपोषण मुक्ति व पोषण अभियान के लिए 235 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना एक मील का पत्थर साबित हुई है।

न्यूज ब्रीफ

दूल्हे के पिता समेत 6 बारातियों की मौतःहापुड़ में बस को टक्कर मारकर उसी पर पलटा ट्रक

हापुड़, यूपी के हापुड़ में रविवार देर रात 1.30 बजे बारातियों से भरी बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 5 बारातियों समेत 6 की मौके पर मौत हो गई। 7 गंभीर हैं। बारात गाजियाबाद के डासना से बुलंदशहर के गुलावठी गई थी। बस में कुल 13 बाराती थे। बाकी दूसरी कारों से पीछे आ रहे थे। शादी के बाद वापस लौटते वक्त बस रोड किनारे खड़ी थी। रास्ता काफी सकरा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रोड की ढलान पर पहले बस पलटी, फिर बेकाबू ट्रक भी उस पर पलट गया।

भारी भरकम ट्रक के पलटने पर बस पिचक गई। बस की छत उखड़कर अलग हो गई। बाराती अंदर दब गए। चीख-पुकार मच गई। पीछे आ रहे बारातियों ने पुलिस को सूचना दी। बस के शीशे तोड़कर कुछ लोगों को बाहर निकाला गया। कुछ बाराती इस कदर फंस गए थे कि गाड़ी को गैस कटर से काटकर उनको रेस्क्यू किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा हापुड़ जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर धौलाना थाने में धौलाना-गुलावठी रोड पर हुआ। एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया-शादी समारोह से लौट रही यात्रियों से भरी एक बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा तेज रफ्तार और अंधेरे की वजह से हुआ। ट्रक ड्राइवर की भी मौत हो गई है।

हिमाचल में किसान ने 500 लीटर दूध बहायाः2 दिन से नहीं खरीद रहा मिल्कफेड

मंडी, हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के एक पशुपालक ने करीब 500 लीटर दूध सरकारी उपक्रम मिल्कफेड के चक्कर प्लांट के बाहर बहा दिया। बल्ह क्षेत्र के किसान रवि सैनी का आरोप है कि दो दिन से मिल्कफेड द्वारा दूध नहीं लिया जा रहा है। इससे उसे 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। मजबूरी में उसने दूध सड़कों पर बहाया है। रवि सैनी ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर खुद सोशल मीडिया पर साझा किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। यह वीडियो सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और किसानों की आर्थिकी में सुधार करने के दावों की पोल खोल रहा है। वीडियो में रवि सैनी बता रहे हैं कि वह रोजाना लगभग 500 लीटर दूध की आपूर्ति करता है और उसकी आजीविका पूरी तरह इसी पर निर्भर है। दो दिनों से दूध की खरीद न होने से न केवल उसे आर्थिक झटका लगा है, बल्कि उसकी रोजमर्रा की व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। रवि सैनी ने बताया- 4 साल से डेयरी फार्मिंग कर रहे हैं और उनके पास 30 गाय हैं। उन्होंने एक करोड़ का कर्ज लेकर स्वरोजगार शुरू किया है और हर माह लाखों रुपए बैंक में किस्त के रूप में जमा करने पड़ते हैं।

तेलंगाना के सरकारी स्कूल में एआई से पढाईःमंत्री ने डिजिटल स्कूल के लिए ट्रस्ट से 8 करोड़ दिए

हैदराबाद, तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से 104 किमी दूर नलगोंडा स्थित कोमटिरेड्डी प्रतीक सरकारी स्कूल का पूरी तरह कायाकल्प किया गया है।

अब यह एसी कैंपस, 36 स्मार्ट क्लास, आधुनिक लैब, लाइब्रेरी और एआई आधारित पढ़ाई से लैस मॉडल सरकारी स्कूल बन गया है।

स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर है। कक्षा 2 और 3 के लिए खेल व गतिविधि आधारित शिक्षण, कहानी, फॉनिक्स, ऑडियो-वीडियो और प्रैक्टिकल लर्निंग की व्यवस्था की गई है।

पर्यावरण शिक्षा के लिए किचन गार्डन भी बनाया गया है।

स्कूल में स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल, डाइनिंग हॉल और हर मंजिल के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है।

ये सभी सुविधाएं छात्रों को पूरी तरह निःशुल्क दी जा रही हैं।

तेलंगाना के सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी ने अपने ट्रस्ट से 8 करोड़ रुपये खर्च कर स्कूल का पुनर्निर्माण कराया है।

सीटें सीमित होने से समय पर आवेदन करने वाले छात्रों को ही प्रवेश मिला है, जिससे एडमिशन के लिए पैरेंट्स की लंबी लाइन लग रही हैं।

स्कूल में 12 शिक्षक और करीब 250 बच्चे हैं। अब तक 3500 आवेदन फार्म अभिभावक ले जा चुके हैं। इनमें से 2084 आवेदन फार्म जमा भी हो गए हैं। लेकिन सीटें सिर्फ 105 हैं।

मंत्री ने सरकार को प्रपोजल दिया है कि इस स्कूल में शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जाए।

मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि मेरे 19 साल के बेटे प्रतीक की 2011 में सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

उसकी याद को बनाए रखने के लिए मैंने मन बनाया था कि बेटे की याद में एक स्कूल बनाऊंगा या किसी स्कूल की मदद करूंगा, जहां शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके।

सीएम योगी की सीट पर सबसे कम वोट कटे

सबसे ज्यादा वोटर भाजपा की सीटों पर घटेःयोगी की सीट पर 33 हजार, नेता विपक्ष की सीट पर 41 हजार नाम कटे

लखनऊ, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद जारी फाइनल वोटर लिस्ट ने ने सीएम योगी की आशंका को सच साबित कर दिया। यूपी में सपा की तुलना में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की सीटों पर वोटर ज्यादा कम हुए हैं। यह ट्रेंड शहरी और ग्रामीण दोनों विधानसभा सीटों पर एक जैसा है।

योगी ने प्रदेश भाजपा संगठन, सरकार और संघ की समन्वय बैठकों में इसकी आशंका जताई थी। उन्होंने कहा था कि SIR को लेकर कार्यकर्ताओं को उदासीनता तोड़नी होगी। अगर अभी बूथ लेवल की इस लड़ाई को नहीं जीत पाए, तो विधानसभा चुनाव में हमारी तैयारी अधूरी रह जाएगी। यूपी की 403 सीटों में मौजूदा वक्त में भाजपा 257, सपा 102, अपना दल 13, रालोद 9, सुभासपा 6, निषाद पार्टी 5, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक व कांग्रेस 2-2, बसपा 1 सीट पर काबिज हैं। SIR के बाद यूपी में 2.04 करोड़ वोटर घटे हैं। यानी हर सीट पर औसतन 13.24% वोटर कम हुए हैं।

लेकिन हम जैसे ही आंकड़ों पर नजर दौड़ाते हैं, अंतर साफ नजर आता है। सपा की तुलना में भाजपा की सीटों पर ज्यादा वोट कटे हैं। यूपी में 102 शहरी सीटें हैं। इनमें सपा को 2022 में 19 पर जीत मिली थी। इन सीटों पर 26 हजार से 1.07 लाख तक वोटर कम हुए हैं। वहीं, NDA की 83 सीटों पर 26 हजार से लेकर 3.16 लाख तक वोटर्स कम हुए हैं। इसी तरह ग्रामीण इलाकों की 301 सीटों में सपा ने 92 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इन सीटों पर 16 हजार से लेकर 79 हजार तक वोट कम हो गए हैं। वहीं, भाजपा की 176 सीटों पर 15 हजार से लेकर 1.42 लाख तक वोटर्स कम हुए हैं। अपना दल की 11 सीटों पर 27 से 72 हजार तक, सुभासपा की 5 सीटों पर 28 से 50 हजार तक, निषाद की 6 सीटों पर 30 से 59 हजार तक, रालोद की 7 सीटों पर 27 से 48 हजार तक वोट कम हुए हैं। सीनियर जर्नलिस्ट हेमंत तिवारी कहते हैं- आप पिछले दो चुनावों को देखें। 2017 के चुनाव की तुलना में 2022 के चुनाव में हार-जीत का मार्जिन काफी कम रहा था। यही वजह रही कि भाजपा ने 60 से ज्यादा सीटें 10 हजार से भी कम अंतर से जीती थीं। प्रदेश की 102 शहरी सीटों में से अमरोहा में सबसे कम 26 हजार 223 (8.32%) वोटर कम हुए हैं। ये संख्या के हिसाब से सबसे कम है। 2022 में ये सीट सपा के महबूब अली ने 71 हजार के मार्जिन से जीती थी। वहीं, प्रतिशत के हिसाब से सीएम योगी की गोरखपुर शहर सीट पर सबसे कम वोट घटे हैं। यहां सिर्फ 6.88% वोट घटे हैं। वोटर संख्या के हिसाब से ये 33 हजार 94 बैठती है, जबकि योगी ने ये सीट 1.03 हजार वोटों से जीती थी। ग्रामीण इलाकों की 301 सीटों पर औसतन 42 हजार मतदाता घटे हैं। हालांकि, यहां भी सपा की तुलना में भाजपा को ज्यादा नुकसान हुआ है। लखनऊ की सरोजनीनगर सीट पर सबसे ज्यादा 1.42 लाख मतदाता कम हुए हैं। इस सीट से भाजपा के राजेश्वर सिंह विधायक हैं। पिछली बार वे 56 हजार वोट से जीते थे।

सबसे ज्यादा संख्या में वोट कटने वाली टॉप-10 ग्रामीण सीटों में महराजपुर भी है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना यहां से विधायक हैं। यहां 90 हजार वोट कटे हैं, जबकि महाना करीब 82 हजार वोट से जीते थे। इसी तरह छिबरामऊ से भाजपा की अर्चना पांडे, आगरा ग्रामीण से बेबी रानी मौर्य विधायक हैं। यहां भी जीत-हार के अंतर से ज्यादा वोट कटे हैं।

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौतःमृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर

ठाणे (महाराष्ट्र), महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था। कल्याण से मुरबाड के बीच चलती थी वैन वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इनमें से 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। अन्य दो घायलों की हालत भी गंभीर है।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौतःराजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे

सुरेंद्रनगर, गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया।

हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था।

तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

फरार ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था। बाद में इसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एक श्रद्धालु ने बताया- राजकोट के दत्ता गांव से ठाकर के दर्शन करने के बाद हम लोग राजबाई मानी का झंडा फहराने के लिए विरामगाम जा रहे थे। सभी लोग सड़क किनारे चल रहे थे। तभी लखतर-विरामगाम हाईवे पर फुल स्पीड में आ रहे एक ट्रक ने पीछे श्रद्धालुओं को कुचल दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक जताते हुए ट्विटर हैंडल ङ्ग पर लिखा, 'गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में हुआ हादसा बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

वृंदावन हादसा- SDM ऋतु सिरोही लंबी छुट्टी पर गईंःढोलक बजा रहे युवक की लाश मिली, युवती का शव भी बरामद

मथुरा, मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे के बाद सोमवार को एसडीएम मांट ऋतु सिरोही लंबी छुट्टी पर चली गई हैं। उनकी जगह दीपिका मेहर मांट का नया SDM बनाया गया है। हादसे के बाद प्रशासनिक लापरवाही को लेकर ऋतु सिरोही पर कई सवाल उठ रहे थे। हालांकि, जिलाधिकारी का कहना है कि ऋतु सिरोही निजी कारणों से छुट्टी पर चली गई हैं। इसका हादसे से कोई लेना-देना नहीं है।

इस बीच, हादसे के बाद चौथे दिन भी सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सुबह 8 बजे यमुना नदी में 2 लाशें मिलीं। हादसे वाली जगह से 12 किलोमीटर दूर बंगाली घाट से एक महिला और देवरा बाबा आश्रम के पास से एक युवक की लाश बरामद हुई। प्रशासन के मुताबिक, शव फूलकर नदी के ऊपर आ गए थे। परिजनों ने दोनों की पहचान की।

अब तक 15 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। सेना, NDRF-SDRF समेत करीब 200 लोगों की टीम ऑपरेशन में लगी हुई है। टीम 20 किमी

यश, मृतक
मोनिका, मृतक

दायरे में लापता श्रद्धालु की तलाश कर रही है। युवक की पहचान पंजाब में लुधियाना के रहने वाले यश भल्ला (22) के रूप में हुई है। यश पहली बार वृंदावन आए थे। बांके बिहारी ग्रुप के साथ जुड़े थे। धार्मिक संकीर्तन में ढोलक बजाते थे। नाव डूबने से पहले का जो वीडियो सामने आया था, उसमें यश ढोलक बजाते दिखाई दे रहे थे। यश के बड़े भाई अकाउंटेंट है। मां सुनीता हाउस वाइफ हैं। पिता रेहड़ी-फड्डी लगाकर कपड़े बेचते है। वहीं, महिला की पहचान दुगरी, लुधियाना की मोनिका टंडन के रूप में हुई है। वो अपनी सास सविता के साथ आई थी। 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। पति विदेश में थे। जल्द ही विदेश जाने वाली थी। हादसे के दिन नाव में पड़ोसी महिला डिंकी के साथ बैठी थी। डिंकी लाश कल बरामद हुई थी। एक श्रद्धालु पंकज मल्होत्रा (40) अब भी लापता हैं। पंकज हिमाचल प्रदेश में स्टील कंपनी में मैनेजर थे।

बता दें कि शुक्रवार दोपहर 3 बजे 38 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। हादसा श्री बांके बिहारी मंदिर से 2 किमी दूर केसी घाट पर हुआ था। पुलिस ने आरोपी नाविक पप्पू निषाद और पांटून पुल के ठेकेदार नारायण शर्मा को जेल भेज दिया है। पप्पू ने अपनी नाव में श्रद्धालुओं को जुगल घाट से बैठाया था।

हादसे में जिंदा बचे एक युवक ने बताया- नाव तट से करीब 50 फीट दूर यमुना नदी के बीच में थी। हवा करीब 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। नाव अचानक डगमगाने लगी। नाविक का नियंत्रण छूट गया। पर्यटकों ने कहा कि पुल आने वाला है, नाव रोक लीजिए, लेकिन उसने नहीं सुनी।

40 साल के सरकारी टीचर की हार्ट अटैक से मौतःबंद मकान में मिली बॉडी, 10 अप्रैल के बाद नहीं गए थे स्कूल

पाली, 40 साल के सरकारी टीचर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। किराए के बंद मकान से बदबू आने पर ग्रामीणों ने पुलिस को बुलाया। मकान का मेन गेट खुलवाकर पुलिस अंदर पहुंची तो एक कमरे में बेड पर बॉडी पड़ी हुई मिली। टीचर की दो दिन पहले ही मौत हो चुकी थी।

पूरा मामला पाली के सदर थाना क्षेत्र के दयालपुरा गांव का है। 12 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे टीचर की बॉडी मिली थी।

सदर थाने के स्ढ्ढ किशनाराम विश्नोई ने बताया कि टीचर की पहचान मुकेश मीणा (40) पुत्र गोपाल मीणा के रूप में हुई है। मुकेश मूल रूप से टोंक जिले के रेहड़ (निवाई) के निवासी थे।

वह पिछले 3 साल से दयालपुरा (पाली) में किराए के मकान में अकेले रह रहे थे। वे गांव के ही राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय उच्च माध्यमिक संस्कृत स्कूल में टीचर थे।

ग्रामीणों के अनुसार, मुकेश 10 अप्रैल को स्कूल गए थे। 11 और 12 अप्रैल को स्कूल की छुट्टी होने के कारण वे बाहर नहीं निकले। 12 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे जब पड़ोसियों को घर की ओर से बदबू आई, तब जाकर पुलिस को बुलाया गया।

पुलिस जब कमरे के अंदर पहुंची तो मुकेश का शव पलंग पर पड़ा हुआ था। शव दो से तीन दिन पुराना होने के कारण गलने लगा था और उससे तेज दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने बताया कि मकान अंदर से पूरी तरह लॉक था, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मुकेश लंबे समय से दिल की बीमारी से जूझ रहे थे। मुकेश के दो बेटे 13 और 9 साल के हैं। ये बच्चे अपनी मां के साथ टोंक में रहते हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का आधिकारिक खुलासा होगा, हालांकि परिजनों ने हार्ट अटैक की बात कही है।

किशनगंज कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकीःई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

किशनगंज (बिहार), किशनगंज कोर्ट को सोमवार को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। कोर्ट के ऑफिसियल ई-मेल आईडी पर एक संदिग्ध संदेश मिला, जिसमें कोर्ट परिसर में बम होने का दावा किया गया था।

ई-मेल मिलते ही न्यायालय कर्मियों ने तत्काल जिला प्रशासन और पुलिस को इसकी सूचना दी। इस सूचना के बाद प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस, डॉग स्क्वॉड, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंच गईं। इसके बाद पूरे कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी अभियान के तहत कोर्ट भवन, न्यायालय कक्ष, रिकॉर्ड रूम, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के इलाकों की बारीकी से जांच की गई। सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर में आने-जाने वालों की सघन जांच की जा रही है। मुख्य प्रवेश द्वार पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। हालांकि, एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सख्त रखी गई है।

चेस्टर हिल मामला- CS के बाद CM पर निशानाःपूर्व CS बोले- हरियाणा ने कार्रवाई की, हिमाचल सरकार चुप

शिमला, हिमाचल प्रदेश में 1500 करोड़ रुपए का कथित चेस्टर हिल भूमि खरीद घोटाला तूल पकड़ रहा है। रेरा के पूर्व चेयरमैन श्रीकांत बाल्दी के बाद अब पूर्व मुख्य सचिव विनीत चौधरी ने भी हिमाचल सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने भी कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। BJP के वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक जमवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अफसरों पर कार्रवाई करने के बजाय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू उन्हें शेल्टर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सचिवालय को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाने वाले अफसरों पर सीएम को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने चेस्टर हिल मामला सीबीआई को देने की मांग

श्रीकांत बाल्दी, पूर्व रेरा चीफ

की। जमवाल ने कहा कि अधिकारियों के बीच खुले आरोप-प्रत्यारोप सरकार के भीतर समन्वय की कमी और कमजोर नेतृत्व को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा- प्रदेश में ऐसी स्थिति पहली बार बनी है जब अधिकारी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। इससे पहले, श्रीकांत बाल्दी ने चीफ सेक्रेटरी संजय गुप्ता के खिलाफ मोर्चा खोला। बाल्दी ने संजय गुप्ता के दो आदेशों को 'अवैध' करार देते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि वह जल्द शिमला आकर इस मसले पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मुलाकात करेंगे।

श्रीकांत बाल्दी ने कहा कि संजय गुप्ता ने पहले SDM सोलन की चेस्टर हिल प्रोजेक्ट की भूमि खरीद में गड़बड़ी उजागर करने वाली जांच रिपोर्ट को दबाया। इस रिपोर्ट में भूमि कानून (सेक्शन 118) के उल्लंघन की बात सामने आई थी। इसके बाद, संजय गुप्ता ने नगर निगम सोलन द्वारा अवैध निर्माण को गिराने के कमिश्नर के आदेश को भी रद्द कर दिया। बाल्दी ने कहा कि चीफ सेक्रेटरी के दोनों आदेश उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर थे। बाल्दी ने इसे सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। वहीं, संजय गुप्ता ने दो सप्ताह पूर्व शिमला में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर श्रीकांत बाल्दी समेत दो पूर्व मुख्य सचिव आरडी धीमान और प्रबोध सक्सेना पर भी कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने ऋश्वक्र के पूर्व चेयरमैन श्रीकांत बाल्दी द्वारा चेस्टर हिल प्रोजेक्ट को क्लीयरेंस देने पर भी सवाल उठाए थे। इसके बाद बाल्दी ने भी संजय गुप्ता पर पलटवार किया है। श्रीकांत बाल्दी ने कहा कि सोशल मीडिया में यह बात फैलाई जा रही है कि उन्होंने RERA चेयरमैन रहते हुए चेस्टर हिल प्रोजेक्ट का दौरा किया था और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर बाल्दी ने स्पष्ट किया कि RERA अथॉरिटी ने करीब तीन साल पहले केवल चेस्टर हिल फेज-1 का दौरा किया था, जो लगभग पूरा हो चुका था। उस समय फेज-2 और 4 अस्तित्व में ही नहीं थे, जिस पर आज विवाद हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

घर में गैस नहीं, सिलेंडर बेचकर IPL देखने आए हैं:बैनर लेकर इकाना पहुंचे फैंस

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच IPL मैच खेला गया। GT ने LSG को 7 विकेट से हराते हुए 18.4 ओवर में 165 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। लखनऊ की टीम अपने घरेलू मैदान पर लगातार दूसरा मुकाबला हार गई।

यह मैच काली और लाल मिट्टी की पिच पर हुआ। कुछ फैंस 'घर में गैस नहीं, सिलेंडर बेचकर आईपीएल देखने आए हैं' लिखा बैनर लेकर पहुंचे। मैच शुरू होने से पहले इकाना स्टेडियम के बाहर फैंस का सैलाब उमड़ा। 36 डिग्री सेल्सियस की गर्मी और चिलचिलाती धूप फैंस के जोश के आगे बेअसर नजर आई। स्कूली बच्चे क्रिकेटर ऋषभ पंत और शुभमन गिल के पोस्टर लेकर पहुंचे। फैंस अपनी पसंदीदी टीम की कैप और टीशर्ट पहनकर आए। अपने चेहरे पर पसंदीदा टीम की पेंटिंग बनवाई। कुछ फैंस रोहित शर्मा, एमएस धोनी और विराट कोहली का नाम लिखी टीशर्ट पहनकर पहुंचे। इकाना स्टेडियम पंत, पूरन, शमी, मयंक यादव, मिचेल मार्श जैसे स्टार खिलाड़ियों के होर्डिंग-पोस्टर से सजा रहा। फैंस ने टीम बसों को घेरकर अपने पसंदीदा क्रिकेटरों को चीयर किया। हूटिंग कर उनका हौसला बढ़ाया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुकर की बेटी सारा तेंदुलकर लखनवी चि|कनकारी ड्रेस में नजर आई।

एफ-1 टीम मर्सिडीज के बॉस का फलसफा:प्यार करने के लिए कोई अपना हो, कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए सपना हो

फॉर्मूला-1 की दुनिया में मर्सिडीज टीम के बॉस और सीईओ टोटो वोल्फ की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। 2014 से 2020 तक लगातार सात ड्राइवर्स चैम्पियनशिप जीतने वाली उनकी टीम 2026 में फिर टॉप पर है। सफलता के शिखर पर बैठे वोल्फ मानते हैं कि एक खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए तीन चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं- प्यार करने के लिए कोई अपना हो, करने के लिए कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए कोई सपना हो। खाली बैठना इंसान को नकारात्मकता की ओर ले जाता है और बिना सपनों के इंसान कितनी भी बड़ी कामयाबी हासिल कर ले, वह डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। छह बिलियन डॉलर (लगभग 55 हजार करोड़ रुपए) का साम्राज्य चलाने वाले वोल्फ का मानना है कि फॉर्मूला वन सिर्फ मशीनों और डेटा का खेल नहीं है, बल्कि यह इंसानी जज्बातों से गहराई से जुड़ा है। उनका तर्क है कि फैसले डेटा नहीं, बल्कि इंसान लेते हैं। उनकी इस गहरी मानवीय सोच और मजबूत लीडरशिप के पीछे बचपन का कड़ा संघर्ष है। पिता की गंभीर बीमारी के बाद 8-9 साल की उम्र में ही उन पर छोटी बहन की जिम्मेदारी आ गई। आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने उन्हें एक प्राइवेट स्कूल में भेजा था, लेकिन फीस न भर पाने के कारण अक्सर उन्हें और बहन को क्लास से बाहर कर दिया जाता था।

200 मीटर रेस में बोल्ट से भी तेज निकले गाउट:ऑस्ट्रेलिया के 18 वर्षीय गाउट ने रेस 19.67 सेकंड में पूरी कर बोल्ट का इस उम्र का रिकॉर्ड तोड़ा

सिडनी, एथलेटिक्स की दुनिया में रविवार को एक ऐसा चमत्कार हुआ, जिसने भविष्य की सुनहरी झलक पेश कर दी।

सिडनी ओलिंपिक पार्क एथलेटिक सेंटर में 18 वर्षीय स्प्रिंट सनसनी गाउट गाउट ने 200 मीटर के फाइनल में 19.67 सेकंड का अविश्वसनीय समय निकालकर इतिहास रच दिया। यह समय न केवल महान उसैन बोल्ट के रिकॉर्ड से तेज है, बल्कि इसने ऑस्ट्रेलियाई एथलेटिक्स के एक नए युग का सूत्रपात भी कर दिया है।

खेल इतिहास में तुलनाएं अक्सर की जाती हैं, लेकिन गाउट ने आंकड़ों से अपनी श्रेष्ठता साबित की। साल 2004 में उसैन बोल्ट ने 18 साल की उम्र में 19.93 सेकंड का समय निकाला था।

ऑस्ट्रेलियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गाउट ने उनसे कहीं आगे निकलते हुए 19.67 सेकंड में फिनिश लाइन पार की और गोल्ड मेडल जीता। यह इस साल दुनिया का सबसे तेज समय है। गाउट के लिए यह जीत एक भावनात्मक पल भी थी। पिछले साल उन्होंने 19.84 सेकंड का समय निकाला था, लेकिन वह 'अवैध टेलविंड' के कारण आधिकारिक नहीं हो सका था। इस बार 1.7 मीटर प्रति सेकंड की वैध हवा की गति के साथ उन्होंने रफ्तार पर मुहर लगा दी।

रेस की शुरुआत सामान्य थी। उम्मीद थी कि गाउट जल्द ही बढ़त बना लेंगे, लेकिन एडन मर्फी ने गाउट को कदम-कदम पर कड़ी टक्कर दी। मर्फी की इस चुनौती ने गाउट के भीतर के 'एथलेटिक दानव' को जगा दिया। अंतिम मीटरों में गाउट ने अपनी सिग्नेचर टॉप-स्पीड पकड़ी और जब स्कोरबोर्ड पर समय चमका, तो पूरा स्टेडियम स्तब्ध रह गया।

इस प्रदर्शन में एडन मर्फी की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। मर्फी ने 19.88 सेकंड का समय निकाला और दूसरे स्थान पर रहे। यह पहली बार है, जब एक ही रेस में दो ऑस्ट्रेलियाई धावकों ने 20 सेकंड से कम में रेस पूरी की है। मर्फी ने पीटर नॉर्मन के 1968 के उस रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की, जो दशकों से अभेद्य लग रहा था।

उन्होंने गाउट को उनके सर्वश्रेष्ठ स्वरूप तक धकेलने में अहम भूमिका निभाई। गाउट जिस ट्रैक पर दौड़े, वह सिडनी 2000 ओलिंपिक का वार्म-अप ट्रैक था। जब वे पोडियम पर खड़े थे, तो ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने पुरानी पीढ़ी से मशाल थाम ली।

विशेषज्ञों का मानना है कि गाउट अब लॉस एंड्जिलिस 2028 ओलंपिक के मेडल के लिए भी प्रबल दावेदार बन चुके हैं। गाउट ने साबित कर दिया है कि वे केवल भविष्य का नाम नहीं हैं, बल्कि वे 'आज' के महानायक हैं।

सिडनी का यह रविवार ऑस्ट्रेलियाई खेल इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है।

कोहली ने बाबर-गेल का रिकॉर्ड तो?ा:रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए; पाटीदार की RCB के लिए सेकेंड फास्टेस्ट फिफ्टी

बेंगलुरु, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने IPL 2026 के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। मैच में रोहित शर्मा ने भी खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर RCB के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया और गेल की बराबरी की। RCB ने IPL 2026 में लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया। लगातार सबसे ज्यादा 200+ स्कोर का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद (5 बार, 2025-26) के नाम है। पंजाब किंग्स (2023) और बेंगलुरु (2024) ने 4-4 बार यह किया था। रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर RCB के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की, जिन्होंने 2013 में 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। इस लिस्ट में टॉप पर रोमारियो शेफर्ड हैं, जिन्होंने 2025 में 14 गेंदों में यह किया था। विराट कोहली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सातवां 50+ स्कोर बनाकर सुरेश रैना और डेविड वॉर्नर की बराबरी की।

इस लिस्ट में टॉप पर केएल राहुल हैं, जिनके नाम 9 स्कोर हैं। कोहली ने वानखेड़े में अपने टी-20 करियर का 9वां 50+ स्कोर 23 मैचों में पूरा किया।

विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने पहले विकेट के लिए फिल सॉल्ट के साथ 120 रन जोड़े। यह कोहली की 47वीं साझेदारी थी। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल (46-46) को पीछे छोड़ा।

क्रिकेटर अर्शदीप रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन संग दिखे:चंडीगढ एयरपोर्ट पर साथ थे

मोहाली, इंडियन क्रिकेटर अर्शदीप सिंह और रूमर्ड गर्लफ्रेंड मॉडल समरीन कौर के साथ पहली बार चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर नजर आए। दोनों आपस में बात करते हुए जा रहे थे। इस दौरान फैंस ने उनका वीडियो बना लिया।

इसके अलावा पंजाब किंग्स की टीम मुंबई में मैच खेलने गई है। कल (12 अप्रैल) शाम को मॉडल समरीन कौर ने सोशल मीडिया पर मुंबई स्थित गेटवे ऑफ इंडिया की फोटो शेयर की थी।

इसके बाद क्रिकेटर अर्शदीप ने भी माइक टेस्टिंग के बहाने स्नैपचैट पर इसी जगह की स्टोरी शेयर की। इससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि दोनों साथ में ही घूम रहे हैं। वह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि इस रिश्ते को लेकर अर्शदीप सिंह या समरीन कौर ने अभी औपचारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

उधर, अर्शदीप के पिता दर्शन सिंह ने बताया कि यह अर्शदीप का निजी मामला है।

वह उसकी गर्लफ्रेंड या मंगेतर जो भी है, इसमें मीडिया से संबंधित कोई मामला नहीं है। वह किससे शादी करेगा, यह उसका निजी फैसला है।वहीं मां बलजीत कौर ने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर पता नहीं क्या डाल देते हैं, लेकिन इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है। जब इस तरह का कुछ होगा, तो सभी के सामने आ जाएगा।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- वैशाली ने रूसी खिलाड़ी को हराया:टॉप पर बरकरार, प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला

भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने साइप्रस में चल रहे FIDE चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी में एक और बड़ी जीत दर्ज की है।

उन्होंने 11वें राउंड में रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को हराकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बरकरार हैं।

इस जीत के साथ वैशाली के 11 राउंड के बाद 7 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद खिलाड़ियों से एक अंक आगे हैं। टूर्नामेंट में अब तीन राउंड बाकी हैं। ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। प्रज्ञानानंदा इस ड्रॉ के बाद 7वें नंबर पर ही हैं।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

पिट्ठू प्रतियोगिता में छाईं पौड़ी की लड़कियां, रुद्रप्रयाग के लड़के:रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ समापन

देहरादून, राजधानी के जीआरडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज (प्रेमनगर) में चल रही 'प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर बालक-बालिका पिट्ठू प्रतियोगिता' का रविवार को समापन हुआ। देहरादून पिट्ठू एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में पौड़ी की लड़कियों और रुद्रप्रयाग के लड़कों ने अपना दबदबा कायम करते हुए चैंपियन का ताज पहना। वहीं, बालिका वर्ग में उत्तरकाशी और बालक वर्ग में मेजबान देहरादून ने तीसरा स्थान हासिल किया। रविवार को खेले गए सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया और दर्शकों को कई रोमांचक मैच देखने को मिले।

बालिका वर्ग के फाइनल में पौड़ी ने रुद्रप्रयाग को 99-63 से हराया

बालिका वर्ग में पौड़ी का एकतरफा दबदबा रहा और खिताबी सफर में टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। दिन के पहले सेमीफाइनल में रुद्रप्रयाग ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में उत्तरकाशी को 49-44 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देहरादून को 133-39 के बड़े अंतर से एकतरफा शिकस्त दी। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में उत्तरकाशी ने देहरादून को 56-40 से हराकर बाजी मारी। जबकि खिताबी मुकाबले में पौड़ी की बालिकाओं का दबदबा कायम रहा और उन्होंने रुद्रप्रयाग को 99-63 से हराकर राज्य स्तरीय ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। पहले सेमीफाइनल में रुद्रप्रयाग ने उत्तरकाशी को 80-67 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी ने देहरादून को 127-48 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। मेजबान देहरादून ने तीसरे मुकाबले में उत्तरकाशी को 58-42 से हराकर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। जबकि खिताबी मुकाबले में रुद्रप्रयाग के खिलाड़ियों ने रणनीति के तहत खेलते हुए पौड़ी को 75-67 से मात दी और चैंपियन बन गए।

आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिल्वर जीता:फाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारे, 60 साल बाद कोई भारतीय खिताबी मुकाबला खेल रहा था

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन के शी यू की के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई थी। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था।

रविवार को चीन के झेजियांग में खेले गए फाइनल में आयुष का मुकाबला दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी शी यू की से था। 20 साल के आयुष यह मैच 8-21, 10-21 से सीधे गेम में हार गए।

सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय

इस हार के बावजूद आयुष ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वो बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय मेंस शटलर बन गए हैं। इससे पहले 1965 में दिनेश खन्ना ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता था। खन्ना के बाद फाइनल तक का सफर तय करने वाले आयुष पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

टूर्नामेंट में भारत का 19वां मेडल

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप 1962 से खेली जा रही है। टूर्नामेंट में यह भारत का कुल 19वां मेडल है।

भारत ने अब तक 2 गोल्ड, 1 सिल्वर (आयुष) और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। 1965 में दिनेश खन्ना ने सिंगल्स में और 2023 में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने मेंस डबल्स में गोल्ड जीता था।

इस पूरे टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1, वर्ल्ड नंबर 4 और वर्ल्ड नंबर 7 जैसे टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हराया था।

शनिवार को हुए सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने डिफेंडिंग चैंपियन और नंबर-1 प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

गुजरात ने लगातार दूसरा IPL मैच जीता:लखनऊ को 7 विकेट से हराया, गिल-बटलर की फिफ्टी

गुजरात टाइटंस ने IPL-19 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने रविवार के पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराया।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में गुजरात ने 165 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।गुजरात से गिल-बटलर ने फिफ्टी लगाई 165 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात ने मिलीजुली शुरुआत की टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 52 रन ही बनाए थे। 45 रन के स्कोर साई सुदर्शन का विकेट गंवाने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने जोस बटलर के साथ मिलकर रन चेज को आसान बनाया। दोनों 58 बॉल पर 84 रन की साझेदारी की। दोनों अर्धशतक भी लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट झटके लखनऊ की ओर से ऐडन मार्करम ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। गुजरात से प्रसिद्ध कृष्णा ने ऐडन मार्करम, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन और मुकुल चौधरी को पवेलियन भेजा। अशोक शर्मा को 2 विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा के खाते में एक-एक विकेट आया। 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर जोस बटलर ने फिफ्टी पूरी की।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के अध्यक्षता में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई आयोजित, सीएम बोले-

नर्मदा के संरक्षण हेतु सरकार एवं समाज में समन्वय जरूरी

अमरकंटक की अखंडता को बनाए रखने के लिए बढ़ाई जाए जन जागृति, प्राकृतिक जंगलों का संरक्षण एवं संवर्धन के किए जाएं प्रयास

ब्यूरो चीफ जुगुल मिश्रा

एशियन रिपोर्टर अनूपपुर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी जीवनदायिनी नदियों में से एक है। नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए शासन एवं समाज के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि नर्मदा के उद्गम स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएँ तथा नदी तटों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत रूप से की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमरकंटक की अखंडता बनाए रखने के लिए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा जन जागृति बढ़ाई जाए, ताकि उद्गम स्थल का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज अमरकंटक में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में अधिकारियों के निर्देशित कर रहे थे।

बैठक में मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष श्री नर्मदे हर सेवा न्यास एवं मध्यप्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) श्री रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ श्री हीरा सिंह श्याम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय प्रजाति के पौधे, वन औषधि पौधों का प्राथमिकता के साथ रोपण किया जाए। इस संबंध में वन मंडल अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। वन विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अमरकंटक के प्राकृतिक स्वरूप को निखारने के लिए स्थानीय प्रजाति साल, महुआ, ऑवला, चार, हर्रा, गुलबकावली आदि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो तथा स्थानीय वन प्राकृतिक रूप से संरक्षित रह सकें। इस दौरान यह भी बताया गया कि वन विभाग की रोपणी में 2.50 लाख से अधिक पौधे उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में नए निर्माण कार्यों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने नर्मदा नदी में प्रदूषण, अपशिष्ट जल निकासी एवं जल प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस पर अधिकारियों ने बताया कि अमरकंटक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा चुका है तथा यह सुनिश्चित करने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रदूषित जल नर्मदा नदी में न मिले।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है, जहाँ अनेक आध्यात्मिक एवं पौराणिक मंदिर स्थित हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहरी व्यक्तियों द्वारा भी बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिन्हें नीति-नियमों के अनुरूप व्यवस्थित किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्लास्टिक एवं शराब के उपयोग पर कठोर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमरकंटक में 'नो मूवमेंट' एवं 'नो कंस्ट्रक्शन' जोन निर्धारित किया जाए, ताकि क्षेत्र की पवित्रता, पर्यावरणीय संतुलन एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक में सीमेंट एवं कंक्रीट का निर्माण ना हो इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें, जिस पर कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र का ड्रोन सर्वे पूर्व में कराया जा चुका है। इसके अंतर्गत यदि कोई अवैध निर्माण कार्य पाया जाता है, तो उसे पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अमरकंटक विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, नगर परिषद तथा अमरकंटक मंदिर के विकास हेतु कमिश्नर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से समय-समय पर अमरकंटक के विकास एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं एवं बिंदुओं पर चर्चा की जाती है।

बैठक में ट्रैकिंग रूट, अग्नि सुरक्षा की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन, वन उत्पादों के प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन, वन्यजीवों के मूवमेंट एवं उनकी स्थिति सहित अमरकंटक के मंदिरों, तालाबों एवं घाटों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

समीक्षा बैठक में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने नर्मदा समग्र मिशन के तहत समाज के सहयोग से संचालित की जाने वाली नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई तथा सहायक नदियों एवं घाटों में जन सहभागिता से किए जाने वाले श्रमदान कार्यों की जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास श्री संजय दुबे ने अमरकंटक में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव योजना आर्थिकी एवं सांख्यकी संजय शुक्ला द्वारा नर्मदा नदी के समग्र विकास के लिए बनाई गई कार्य योजना एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। मुख्य सचिव वन श्री संदीप यादव ने वन विभाग द्वारा जैव विविधिता, यूकोलिप्टिस के प्लांटेशन को हटाकर स्थानीय प्रजाति के पौधरोपण के संबंध में जानकारी दी।

बैठक में शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक सुश्री चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुहाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान, वनमण्डलाधिकारी डेविड व्यंकटेश, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पंचायत से पार्लियामेंट तक सुनिश्चित हो रही नारी शक्ति की भागीदारी : विधायक

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

ब्यूरो चीफ जुगुल मिश्रा

एशियन रिपोर्टर शहडोल । जिला स्तरीय नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम जिला पंचायत के सभागार में आयोजित किया गया। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ पंचायत से पर्लियामेंट तक नारी शक्ति की भागीदारी सुनिष्चित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं प्रदेष के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्षन में प्रदेष में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर देश और समाज से सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही है, महिलाएं पायलट, डॉक्टर, राजनीतिक, प्रषासनिक अधिकारी जैसे अन्य क्षेत्रो में पुरूषो के साथ कंधे से कंधे मिलाकर आगे बढ़ रही है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी उपस्थिति में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली रूप देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, सीईओ जनपद पंचायत गलैक्सी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास अखिलेश मिश्रा, परियोजना अधिकरी श्री आनंद अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

बुढ़ार की बेटी डॉ. शिवानी सिंह को रीवा मेडिकल कॉलेज में स्वर्ण पदक, क्षेत्र में खुशी की लहर

ब्यूरो चीफ जुगुल मिश्रा

एशियन रिपोर्टर बुढ़ार (शहडोल)। आदर्श कॉलोनी बुढ़ार की होनहार बिटिया डॉ. शिवानी सिंह ने चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल बुढ़ार बल्कि पूरे शहडोल जिले में हर्ष और गर्व का माहौल है।

डॉ. शिवानी सिंह, जो कि बुढ़ार निवासी श्री केदार सिंह की सुपुत्री हैं, ने रीवा स्थित श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए यह सम्मान हासिल किया। उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि के साथ-साथ उ'च रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक से नवाजा गया। यह सम्मान उनकी वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। परिवार में भी इस उपलब्धि को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। डॉ. शिवानी के बड़े पापा श्री हनुमान सिंह और प्रतिष्ठित पर्यावरण सलाहकार श्री यशवंत सिंह की भतीजी होने के नाते उनकी इस सफलता ने पूरे परिवार को गौरवान्वित किया है। परिवारजनों का कहना है कि शिवानी बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने हमेशा अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण रखा।

डॉ. शिवानी की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और शुभचिंतकों ने उन्हें और उनके परिवार को हार्दिक बधाई दी है। सभी ने उनके उ'वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई है कि वे आगे भी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज की सेवा करेंगी। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे बुढ़ार क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

फर्जी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग, पुलिस कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

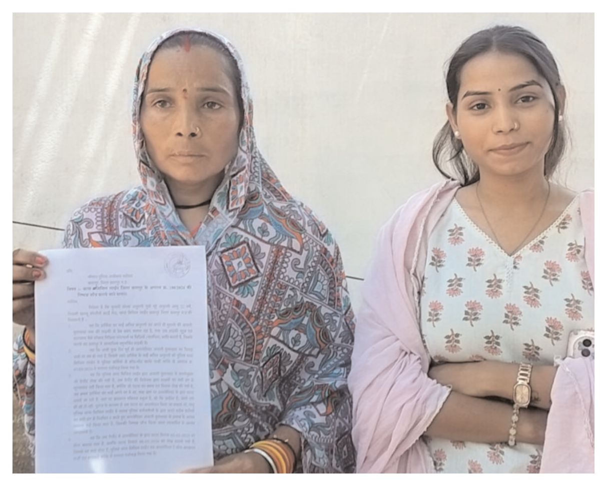

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के एक मामले को लेकर युवती ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। खज्जू कॉलोनी निवासी एक युवती ने पुलिस उप महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर बताया कि उसके भाई के खिलाफ दर्ज अपराध क्रमांक 180/2026 में तथ्यों की अनदेखी कर कार्रवाई की गई है।

आवेदन में संध्या अनुरागी पुत्री भूरे अनुरागी ने आरोप लगाया गया है कि उसके भाई का मोहल्ले की एक युवती से पूर्व में प्रेम प्रसंग था, लेकिन हाल ही में उस युवती का विवाह तय होने के बाद उसने पुलिस से सांठगांठ कर झूठा मामला दर्ज करा दिया।

शिकायतकर्ता का कहना है कि जिस दिन और समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उसका भाई घर पर मौजूद था और कथित घटनास्थल के पास स्थित स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज से सच्चाई सामने लाई जा सकती थी, लेकिन पुलिस ने इस दिशा में कोई जांच नहीं की।

संध्या अनुरागी ने यह भी आरोप लगाया कि रिपोर्ट में घटना की तिथि और रिपोर्ट दर्ज कराने की तिथि में अंतर है, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। साथ ही संबंधित युवती की उम्र को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं, जिसमें विरोधाभास बताया गया है। आवेदन में पुलिसकर्मियों पर लापरवाही और प्रभाव में आकर कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच कराने, सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

पीड़िता ने यह भी बताया कि पूर्व में भी उसके भाई के खिलाफ इसी तरह का एक मामला दर्ज कराया जा चुका है। पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर मामला अब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच गया है।

अविश्वसनीय सत्य, ब्रह्मांड में सब कुछ पूर्व नियोजित है : उदित भदोरिया

एशियन रिपोर्टर भोपाल। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के अध्यक्ष उदित भदोरिया ने ब्रह्मांड में सत्य की व्याख्या करते हुए बताया कि कोई भी फिल्म या स्क्रिप्ट बिना कारण नहीं बनती, भविष्य में थल युद्ध अब नहीं होंगे, यह प्राचीन परंपरा थी, जब उच्च तकनीक विकसित नहीं हुई थी, मिसाइल तथा एलियंस की तकनीक पहले थी परंतु गुप्त थी, गैलीलियो ने जब कहा था कि पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगाती है तो यह कथन बाइबल के विपरीत था इसलिए उसे कारागार में डालकर मार दिया गया, क्योंकि क्रिश्चियन धार्मिक मान्यता के अनुसार यह गलत था आगे चलकर गैलीलियो का कथन सत्य निकला, सत्य को स्वीकार करना सबसे कठिन कार्य है, लोगों के अंदर अंतर मन की

आंखें नहीं है, जो सत्य को जान सके, हम ब्रह्मांड के नियम को नहीं बदल सकते, समुद्र में वारा मुंडा ट्रायंगल से एलियंस या दूसरी दुनिया के लोग समुद्र के अंदर प्रवेश करते हैं, अंदर उनके बड़े-बड़े शहर हैं, वहां भी दुनिया बसी है, परंतु प्रमाण चाहिए विज्ञान को सत्य प्रमाणित करना बहुत कठिन है, अलग-अलग दुनिया के लोग बारामुला ट्रायंगल के अंदर आते हैं और इस पृथ्वी को नष्ट करने की योजना बनाते हैं पर आज विज्ञान को सबूत चाहिए जो आध्यात्मिक में संभव नहीं है, समुद्र के किनारे के शहर जलमग्न हो जाएंगे समुद्र में पतली बेबस निकलेंगे जो पानी में दुनिया के कई शहर डुबो देगी, पृथ्वी पर वही लोग बचेंगे जिनको वह बचाना चाहेंगे, आज का विज्ञान एक प्रसिद्ध भी नहीं है दूसरी दुनिया के विज्ञान के सामने, हर ग्रह पर लोग रहते हैं सूर्य पर भी हर ग्रह की ऊर्जा अलग-अलग है ऑस्ट्रेल ट्रैवल होता है, वहां समय शून्य है, पानी की तरंगे पृथ्वी को फाड़ देगी, पृथ्वी पर जो युद्ध हो रहा है यह सब दूसरी दुनिया के लोगों के द्वारा खेला गया खेल है, वह पृथ्वी को नष्ट करना चाहते हैं भारत ऋषि मुनियों की भूमि है, यहां प्रभाव बहुत कम होगा, भूकंप आएंगे तबाही होगी सब कुछ प्री प्लान है, ईरान का पूर्व शासक खाम नई मर चुका है यह सभी जानते हैं परंतु वास्तव में ध्यान 4श्द्द4श्के अनुसार उसे मरा घोषित किया गया है वह जिंदा है, कूटनीति के अनुसार मृत घोषित है, तथा इजराइल का शासक नेतन्याहू मर चुका है, उसको मृत घोषित नहीं किया गया कूटनीति के अनुसार, यह दुनिया के सत्य परंतु अविश्वसनीय कथन है भारत में ध्यान 4श्द्द4श् के,अप्सटीन फाइल खोलने के बाद युद्ध तेजी से बढ़ गया ताकि दुनिया का ध्यान भटकाया जा सके, जब तक यूरोप नहीं चाहेगा विश्व युद्ध नहीं कहा जाएगा, चाहे विश्व युद्ध ही क्यों ना हो रहा हो, अंग्रेज जिनका राज्य कभी सूर्य अस्त नहीं होता था अब ब्रह्मांड उन्हें सजा देगा, यह युद्ध जो दुनिया में चल रहा है यह प्रत्येक घर में भी (देश) होगा, सब कुछ प्री प्लान है ब्रह्मांड के द्वारा, दुनिया का आतंकवादी शासक ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार चाहता है, यह दूसरी दुनिया के असुरों के द्वारा प्रेरित खेल चल रहा है, दुनिया मृतकों से भर जाएगी बैंक बंद होंगे, बैंकों में जमा पैसा डूब जाएगा देश की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण, परमात्मा का सुमिरन और सकारात्मक भाव ही बचा सकता है, दुनिया में नौकरियां चली जाएगी रोटी रोटी के लिए लोग परेशान होंगे उद्योग समाप्त होंगे, पर भारत का ज्यादा नुकसान नहीं होगा चीन भारत का साथी होगा, यह सब ध्यान योगियों के द्वारा देखा गया जो अविश्वसनीय लगता है, परंतु सत्य है विज्ञान प्रमाण मांगता है आध्यात्म विश्वास पर चलता है ।

प्रशासन की संवेदनशीलता और ग्रामीणों का सहयोग

विस्थापित ग्राम डुगरिया में लोगों की स्वेच्छा पर 14 मकान गिराए गए

छतरपुर। देश की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत प्रभावित एवं विस्थापित ग्राम डुगरिया में स्थानीय प्रशासन ने संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए कार्यवाही की। प्रशासनिक टीम ने मुआवजा प्राप्त कर चुके ग्रामीणों की सहमति और सहयोग से कुल 14 मकानों को गिराने की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान 5 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से अपने मकान हटाने की सहमति दी, जिनके लिए प्रशासन द्वारा बुलडोजर की व्यवस्था कराई गई। वहीं प्रशासन ने 9 ऐसे मकानों को हटाया, जिनके मालिकों के पास ग्राम में एक से दो घर थे या उन्होंने अन्य स्थानों पर पहले से ही अपना निवास बना लिया था, ताकि किसी भी व्यक्ति को बेघर न होना पड़े। प्रशासन ने विशेष संवेदनशीलता बरतते हुए उन मकानों को नहीं गिराया, जहां वर्तमान में विवाह जैसे सामाजिक कार्यक्रम निर्धारित हैं या जिन परिवारों के पास रहने के लिए केवल एक ही घर है और उन्होंने अन्यत्र कोई व्यवस्था नहीं की है। इस पूरी कार्यवाही में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय और आपसी विश्वास देखने को मिला, जो इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर धार में कार्यक्रम आयोजित

विधायक श्रीमती नीना वर्मा ने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने का किया आह्वान, 8 से 14 अप्रैल तक सेवा सप्ताह के रूप में मनाई जा रही है जयंती

एशियन रिपोर्टर

धार। प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग एवं आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास के निर्देशों के अनुक्रम में आज जिला मुख्यालय स्थित पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम हॉल में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री निलेश भारती, प्रभारी कलेक्टर श्री अभिषेक चौधरी तथा अपर कलेक्टर श्री केशव पाण्डेय मंचासीन रहे।

बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती नीना विक्रम वर्मा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने न केवल भारतीय संविधान का निर्माण किया, बल्कि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके पदचिह्नों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि श्री निलेश भारती ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार डॉ. अम्बेडकर जयंती को 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक एक विशेष सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत जिले भर में विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस गरिमामयी अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। नीट (हृश्वश्वञ्ज) परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को शासन की 'महर्षि वाल्मीकि प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य युवाओं को भी इनसे प्रेरणा लेने की बात कही।

लघुनाटिका ने मोहा मन

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा बाबा साहेब के जीवन संघर्ष और सामाजिक समरसता पर आधारित एक प्रेरणादायक लघुनाटिका का मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से शिक्षा के महत्व और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन का संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, गणमान्य नागरिक, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग का अमला उपस्थित था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक,एवं संपादक, कल्याण मल जैन द्वारा समता प्रिंटर्स , बी-15 प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1 एमपीनगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित कराकर शॉप नम्बर 3 एस के टॉवर , अल्पना टॉकीज के पीछे भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- कल्याण मल जैन , मो.8349212122, स्थानीय संपादक-कथक मल जैन। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI.NO.MPHIN/2013/54854